CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 236 ता. 15 मार्च 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

केरल में सीपीएम कार्यकर्ताओं को सरकारी पेंशन देने की नीति पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाया सवाल

नई दिल्ली । केरल में मंत्रियों के स्टाफ के रूप में सिर्फ 2 साल काम करने वालों को पेंशन देने पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया है। कोर्ट ने पेट्रोलियम उत्पाद की अधिक कीमत के खिलाफ केरल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी की याचिका खारिज करते हुए कहा- आपके राज्य के पास बहुत पैसा है। वहां 2 साल काम करने पर सरकार जीवन भर पेंशन देती है। केरल में मंत्रियों के निजी स्टाफ को पेंशन देने की नीति इन दिनों विवादों में है। केरल हाई कोर्ट इस पर सुनवाई भी कर रहा है। हाई कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि सीपीएम की अगुवाई वाली लेफ्ट फ्रंट सरकार ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकारी खजाने से पैसा देने की नीति बना रखी है। इसके लिए किसी कार्यकर्ता को मंत्री का कर्मचारी नियुक्त किया जाता है। सरकारी नीति के तहत वह 2 साल में पेंशन का अधिकारी हो जाता है। इसलिए, 2 साल के बाद उस कार्यकर्ता को हटा कर दूसरे को नियुक्त कर दिया जाता है। इस तरह बड़ी संख्या में सीपीएम कार्यकर्ता हैं, जो सरकारी पेंशन लेकर पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। केरल राज्य ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी ने याचिका दायर कर कहा था कि सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने अधिक मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने वालों से वसूले जाने वाले मूल्य में बदलाव किया है। इसके चलते उसे अधिक खर्च करना पड़ रहा है। जस्टिस एस अब्दुल नज़ीर और कृष्ण मुरारी की बेंच ने मामले को सुनने से मना कर दिया। जजों ने कहा कि जब राज्य के पास इतना पैसा है तो फिर ऐसी याचिका की क्या ज़रूरत है? अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बताइए कि केरल में 2 साल की सेवा पर उम्र भर पेंशन मिलती है। हालांकि, सुनवाई के अंत में केरल परिवहन निगम के लिए पेश वरिष्ठ वकील के अनुरोध पर कोर्ट ने उन्हें पेट्रोलियम के अधिक मूल्य का मामला हाई कोर्ट में रखने की अनुमति दे दी।

देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा सत्र में उठाया मुंबई साइबर पुलिस पुछताछ का मुद्दा

मुंबई । देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा सत्र में ट्रांसफर पोस्टिंग मामले में मुंबई साइबर पुलिस द्वारा की गई पुछताछ का मुद्दा उठाया। वहीं सुधीर मुंगंटीवार ने सदन में कहा, दुनिया में पहली बार ऐसा हो रहा है कि पुलिस भ्रष्टाचार करने वाले पर कार्रवाही के बजाय नेता विपक्ष से पुछताछ कर रही है। उन्होंने कहा कि फडणवीस के घर जाकर पुलिस पुछताछ कर रही है। फडणवीस ने जनहित में भ्रष्टाचार का मुद्दा इस सदन में उठाया था। अगर किसी पुलिसवाले ने ट्रांसफर पोस्टींग के लिए पैसे लिए होंगे तो उसकी जांच होनी चाहिए। जो पुलिस अधिकारी पुछताछ के लिए गए तो उनके खिलाफ हक्क भंग प्रस्ताव लाया जाए विधानसभा के दरवाजे पर खड़ा रखा जाए। उन्हे सजा दी जाए। इस पर जवाब देते हुए गृहमंत्री दिलिप वलसे पाटिल ने कहा कि सुधीर मुनगंटीवार ने कल के नोटिस को लेकर कुछ मुद्दे उठाए। मैं इस हॉल में 37 साल से हूं। मुझे विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। यदि सदस्य कुछ प्रश्न प्रस्तुत करते हैं, तो इसकी जांच नहीं की जाती है। लेकिन फोन टैपिंग की घटना हुई। सदस्यों ने इसकी शिकायत की। लेकिन समिति पहले ही नियुक्त हो चुकी थी। दरअसल महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बीते शनिवार को बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में उपस्थित होने के लिए समन भेजा गया था।

योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे

सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे का राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और नितिन गडकरी से मिले

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की फिर वह राष्ट्रपति भवन की ओर निकले, जहां वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले। इससे पहले रविवार को योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। माना जाता है कि इस दौरान दोनों नेताओं ने सरकार गठन और राज्य के नए मंत्रिमंडल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ ने गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक की थी। सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में होली के बाद बीजेपी सरकार का शपथग्रहण समारोह होने की संभावना है। इससे पहले दिन में योगी ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और बीजेपी महासचिव (संगठन) बी एल संतोष से भी मुलाकात की थी। योगी के साथ एक घंटे तक चली बैठक के बाद नड्डा ने ट्वीट किया था, %उत्तर प्रदेश चुनाव में उनकी ऐतिहासिक जीत के साथ, मैं उन्हें राज्य में फिर से बीजेपी सरकार बनाने के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने बीजेपी के विचारों को समाज के अंतिम स्तर तक पहुंचाया है।% माना जाता है कि मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने की तैयारी कर रहे आदित्यनाथ ने पार्टी नेतृत्व के साथ वार्ता के दौरान सरकार गठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई मंत्रियों की हार के बाद योगी आदित्यनाथ दिल्ली दौरे पर पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि आदित्यनाथ के दो दिन तक राष्ट्रीय राजधानी में ठहरने की संभावना है। बीजेपी को राज्य की 403 सदस्यीय विधानसभा के लिए हाल में हुए चुनावों में 255 सीट हासिल हुई हैं और उसके दो सहयोगी दलों ने 18 सीट जीती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस जीत के साथ आदित्यनाथ का कद बढ़ा है, क्योंकि राज्य में बीजेपी के फिर जीतने के प्रयासों के केंद्र में उनका नेतृत्व था।

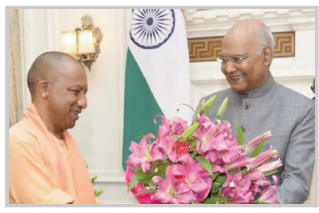

बसंती रंग में रंगेगा भगत सिंह का गांव भगवंत मान बोले- शपथ ग्रहण में पहनकर आएं पीली पगड़ी

अमृतसर । पंजाब के मनोनीत मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भगवंत मान अकेले शपथ लेंगे। वह 16 मार्च को दोपहर 12.30 बजे शहीद भगत सिंह नगर जिले के स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के पैतृक गांव खटकर कलां में पंजाब के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए भगवंत मान ने पंजाब की जनता को आमंत्रित किया है। भगवंत मान ने एक वीडियो संदेश में कहा, आइए सभी मिलकर शहीद भगत सिंह जी के सपनों का पंजाब बनाएं। 16 मार्च, बुधवार को खटकर कलां में शपथग्रहण समारोह में आने का आप सभी को निमंत्रण देता हूं। मैं लोगों से 16 मार्च (शपथ ग्रहण समारोह के लिए) खटकर कलां पहुंचने का अनुरोध करता हूं। मैं अपने भाइयों से अनुरोध करता हूं कि उस दिन पीली पगड़ी पहनें और बहनें पीली शॉल/स्टोल पहनें। हम उस दिन खटकर कलां को बसंती रंग में रंगेंगे। भगवंत मान के मंत्रिमंडल का शपथ समारोह बाद में होगा, जिसमें 17 सदस्य हो सकते हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव में 117 में से 92 सीट पर जीत हासिल की है। मान धुरी विधानसभा सीट से चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी दलवीर सिंह गोल्डी को 58,206 मतों से हराया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मान ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए अमृतसर में रविवार को रोड शो किया था। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले भगवंत मान ने वीआईपी संस्कृति के खिलाफ एक स्पष्ट संदेश देते हुए शनिवार को राज्य कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी सहित 122 पूर्व विधायकों, मंत्री और वीआईपी की सुरक्षा वापस ले ली। पूर्व मंत्रियों में कांग्रेस के मनप्रीत सिंह बादल और परगट सिंह शामिल हैं।

मोदी, मोदी लोकसभा में पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी तो नारे लगाने लगे भाजपा सांसद

नई दिल्ली ।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने पर के सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों ने भारत माता की जय और मोदी मोदी के नारे लगाए। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की बैठक ऐसे समय शुरू हुई है जब कुछ ही दिन पहले पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम आए हैं। इनमें भाजपा ने पंजाब छोड़कर सभी राज्यों में जीत दर्ज की है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) ने जीत हासिल की है। बजट सत्र के पहले चरण में 29 जनवरी से 11 फरवरी तक दो अलग-अलग पालियों में लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही चली थी। बहरहाल, इस बार कोविड-19 संबंधी हालात में काफी सुधार आने के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 11 बजे से साथ-साथ चल रही है। इससे पहले, बजट सत्र का पहला चरण संसद के सेंट्रल हॉल में लोकसभा व राज्यसभा के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण से 29 जनवरी को शुरु हुआ था। प्रस्तुत किया गया था। सीतारमण ने एक फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया था, जिसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण और केंद्रीय बजट के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी।

कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन पैसेंजर ट्रेन में रखे बैग में लगी आग

कुरुक्षेत्र । आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के पास कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन पैसेंजर ट्रेन के एक कोच में रखे एक बैग में सोमवार सुबह अचानक आग लग गई, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद जीआरपी ने दिल्ली फायर सर्विस और बम डिफ्यूजल स्क्वायड (बम निरोधक दस्ते) को सूचना दे दी। मौके पर मौजूद यात्रियों ने बैग को कोच से बाहर फेंक दिया। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि सुबह लगभग 10.45 बजे कुरुक्षेत्र निजामुद्दीन पैसेंजर ट्रेन संख्या 04406 के एक कोच में रखे संदिग्ध बैग में आग लग गई थी, दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि सुबह लगभग 10.45 बजे कुरुक्षेत्र निजामुद्दीन पैसेंजर ट्रेन संख्या 04406 के एक कोच में रखे संदिग्ध बैग में आग लग गई थी, जिसके बाद वहां यात्रियों ने बैग को ट्रेन से बाहर फेंककर जीआरपी को सूचित किया। बैग को खोलकर देखा तो अंदर कुछ कपड़े, एक पोटली और एक छोटा डब्बा मिला। पोटली में दो किलो कीलें थीं, वहीं डब्बे में लकड़ी कारीगरों के उपयोग वाला लिक्विड था। पोटली में आग लगी थी। बम निरोधक दस्ता पहुंचकर जांच कर रहा है।

उमा भारती ने शराब दुकान में तोड़फोड़ पर शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिख दी सफाई

भोपाल । एमपी की राजधानी भोपाल के बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में रहवासी इलाके में स्थित शराब दुकान पर तोड़फोड़ मामले में भाजपा नेता उमा भारती के तेवर नर्म पड़ते नजर नहीं आ रहे हैं। आज उमा ने सीएम शिवराज को दो पेज का पत्र लिखकर अपने मामले में सफाई दी है। इस पत्र में उमा ने लॉजिक दिया है कि महिलाओं का दर्द सुनने के बाद गुस्से में आकर उन्होंने तोड़फोड़ की है। साथ ही सात दिन में दुकान हटाए जाने की मांग भी की है। उधर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने उमा भारती पर निशाना साधा है। शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में उमा भारती ने अपनी गलती भी मानी है। उमा ने लिखा है कि बरखेड़ा पठानी में रहने वाली महिलाओं ने उनसे शराब दुकान से परिवार पर पड़ रहे गलत प्रभाव का दर्द बयां किया। इसे सुनकर उन्हें गुस्सा आ गया और पत्थर से शराब की कुछ बोतलों को फोड़ दिया। उमा भारती ने कहाकि जिस दुकान में उन्होंने बोतलें फोड़ीं वह शराब नीति के खिलाफ स्थापित है। इस दुकान के आसपास मंदिर और स्कूल है। शराब पीने के बाद लोग आसपास रहने वाले परिवारों की बच्चियों को छेड़ते हैं। उ

लोकसभा में भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी का जमकर स्वागत किया

नई दिल्ली। पांच में से 4 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की वापसी हुई है। जिसको लेकर लोकसभा में भाजपा सांसदों ने पीएम नरेंद्र मोदी का जमकर स्वागत किया। इस दौरान सदन में मोदी-मोदी के नारे लगाए गए और पीएम मोदी ने सभी सांसदों का अभिवादन स्वीकार किया। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की सोमवार को शुरुआत हुई। जिसको देखने के लिए ऑस्ट्रिया के संसदीय दल के सदस्य विशेष दीर्घा में मौजूद रहे। सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही तीन पूर्व सदस्यों एस सिंगावाडिवेल, एचवी पाटिल और हेमानंद विस्वाल के निधन पर शोक प्रकट किया और कुछ पल मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन में प्रधानमंत्री मोदी के आने पर सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर और भारत माता की जय एवं मोदी मोदी के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। संसद सत्र का दूसरा चरण ऐसे समय पर शुरू हुआ है, इसके बाद सदन में प्रधानमंत्री मोदी के आने पर सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर और भारत माता की जय एवं मोदी मोदी के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। संसद सत्र का दूसरा चरण ऐसे समय पर शुरू हुआ है, जब पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम सामने आ चुके हैं और उनमें से 4 राज्यों में (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर) में भाजपा ने जीत दर्ज की है। जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत मिली है।

किसानों से किए केंद्र के वादों की समीक्षा को किसान नेताओं की माथापच्ची

नई दिल्ली ।

किसानों से किए गए वादों पर केंद्र द्वारा अभी तक उठाए गए कदमों की समीक्षा करने और भविष्य के कदमों पर निर्णय लेने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की एक दिवसीय बैठक सोमवार को दिल्ली में शुरू हो गई। इन वादों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कमेटी गठित करना भी शामिल है। दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित गांधी पीस फाउंडेशन के एक बंद कमरे में हो रही यह बैठक शाम 5 बजे तक चलेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र के विवादित तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल लंबे आंदोलन का नेतृत्व किया था। उसने पिछले साल नौ दिसंबर को उस समय आंदोलन बंद कर दिया था, जब मोदी सरकार ने इन विवादित कानूनों को वापस ले लिया था और उनकी छह मांगों पर विचार करने पर राजी हो गई थी, जिनमें आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी देना और प्रदर्शन के दौरान मारे गए किसानों के परिजन को मुआवजा देना शामिल है। एसकेएम के एक पदाधिकारी ने बताया कि बैठक का एजेंडा नौ दिसंबर, 2021 को सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पत्र, एमएसपी के मुद्दे पर राष्ट्रीय कार्य योजना और लखीमपुर खीरी मामले पर हुई प्रगति की समीक्षा करना है। उन्होंने बताया कि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के लिए स्मारक का निर्माण करने की योजना पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने और अन्य मांगों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक रोडमैप तय किया जाएगा। एसकेएम के आंतरिक मुद्दों जैसे नियम और कानून, धन की वर्तमान स्थिति और पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने वाले किसान संघों पर निर्णय पर भी बैठक के दौरान चर्चा की जाएगी।

सोनिया ने कहा, अमरिंदर सिंह का बचाव करना मेरी गलती

नई दिल्ली ।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस की हार के बाद कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का बड़ा बयान सामने आया है। सोनिया गांधी ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह का बचाव करना उनकी गलती थी। बता दें कि अमरिंदर ने चुनाव से ठीक पहले पंजाब सीएम के पद से इस्तीफा देकर कांग्रेस पार्टी भी छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने नई पार्टी (पंजाब लोक कांग्रेस) बनाई और बीजेपी संग गठबंधन करके पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 लड़ा, हालांकि, पार्टी कोई कमाल नहीं कर सकी। कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी मीटिंग में यह बात उठी थी कि अगर कैप्टन को पद से हटाया जाना था तब पहले हटाना था। इसपर सोनिया गांधी ने कहा कि मैं कैप्टन साहब को बचाती रही, यह मेरी गलती थी। दूसरी ओर अमरिंदर सिंह ने गांधी परिवार पर निशाना साधाकर कहा कि पांच राज्यों में कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी सिर्फ गांधी परिवार की है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि अस्थायी सिद्धू और भ्रष्ट चन्नी का सपोर्ट लेकर कांग्रेस ने खुद की कब्र खोद ली। अमरिंदर सिंह ने गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कांग्रेस सिर्फ पंजाब में नहीं बल्कि यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भी हारी है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि लोगों का गांधी परिवार के नेतृत्व पर से भरोसा उठ चुका हैं। बता दें कि चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई थी। इसमें सोनिया गांधी ने कहा था कि कुछ लोगों को लगता है, कि गांधी परिवार की वजह से पार्टी कमजोर हो रही है।अगर आप लोगों को ऐसा लगता है,तब हम किसी भी प्रकार का त्याग करने के लिए तैयार हैं। सोनिया ने कहा था कि उनका पहला मकसद कांग्रेस को मजबूत करना है। इसके लिए चाहे किसी भी तरह का त्याग करना पड़े। अब कांग्रेस अप्रैल में चिंतन शिविर का आयोजन करेगी। तबतक सोनिया गांधी ही कांग्रेस अध्यक्ष बनी रहेंगी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने सोनिया गांधी का सपोर्ट किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि उन सब ने सोनिया जी को बताया है कि पार्टी की 5 राज्यों में हुई हार के लिए यह अकेली जिम्मेदार नहीं हैं। राज्यों के नेता और सांसद की पूरी जिम्मेदारी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर राज्यसभा में तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली । राज्य सभा में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों रूस यूक्रेन विवाद के बीच को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी से सवाल पूछे गए। जिसके जवाब में हरदीप पुरी ने कहा कि सरकार लगातार उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को लेकर कदम उठा रही है। वैसे पेट्रोल और डीजल डी रेगुलेट किया जा चुका है लिहाजा कंपनियां तय करती हैं। हरदीप पुरी ने कहा कि हमारी तेल कंपनी और सरकार लगातार रशियन फेडरेशन और कई और नए बाजार में बातचीत कर रही है उम्मीद कर रहे हैं कि जल्दी नए बाजार खुलेंगे और उसको लेकर जो असमंजस की स्थिति है वह दूर होगी। आनंद शर्मा ने कहा कि जब जीएसटी लाया गया था तो चर्चा यह थी कि पेट्रोलियम प्रोडक्ट को भी उसमें शामिल किया जाएगा। जवाब में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि इसको लेकर काफी चर्चा हो चुकी है यह मामला जीएसटी काउंसिल के तहत आता है और इस पर चर्चा भी हुई लेकिन यह चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई। कई राज्य इसके लिए तैयार नहीं हुए। यह राज्यों को भी तय करना होगा। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है और आगे भी सुनिश्चित करेगी कि उपभोक्ताओं पर कम से कम भार पड़े। कांग्रेसी सांसद छाया वर्मा ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें सरकार तय करती है जब चुनाव आता है तो कीमत नहीं बढ़ती और जब चुनाव खत्म हो जाते हैं तब बढ़ जाते हैं। यह दिखाता है कि सरकार का पेट्रोल डीजल की कीमतों पर अवैध कब्जा है। इसके जवाब में हरदीप पुरी ने कहा कि यह आरोप गलत है। पेट्रोल पर सरकार का कोई कब्जा नहीं है। यह कंपनियां अंतरराष्ट्रीय कीमत के आधार पर दाम तय करती हैं। हमारे देश में तो पांचों साल चुनाव होते रहते हैं अभी चुनाव खत्म हुए हैं फिर साल की शुरुआत में चुनाव है। जो तेल कंपनियां है वह बाधा के आधार पर कीमत तय करती है। बता दें कि हरदीप पूरी को कुछ दिन पहले ही एक विपक्षी नेता ने कह दिया था कि चुनाव खत्म होते ही कीमतें बढ़ जाएंगी। इस बयान से अचानक तेल की होर्डिंग बढ़ गई। जिसपर उन्होंने कहा कि इस तरीके के बयान सही नहीं है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार इस तरीके से टैक्स लगाकर देश को लूट रही है। हमारे देश में तो पांचों साल चुनाव होते रहते हैं अभी चुनाव खत्म हुए हैं फिर साल की शुरुआत में चुनाव है। जो तेल कंपनियां है वह बाधा के आधार पर कीमत तय करती है। बता दें कि हरदीप पूरी को कुछ दिन पहले ही एक विपक्षी नेता ने कह दिया था कि चुनाव खत्म होते ही कीमतें बढ़ जाएंगी। इस बयान से अचानक तेल की होर्डिंग बढ़ गई। जिसपर उन्होंने कहा कि इस तरीके के बयान सही नहीं है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार इस तरीके से टैक्स लगाकर देश को लूट रही है। जबकि पुरी ने कहा कि कौन लूट रहा है इसका जवाब जनता ने दे दिया है 97 फीसदी उम्मीदवारों की जमानत ज़ब्त हो गई है।

पंजाब चुनाव में जीत का परचम फहराने के बाद आप की नजर बंगाल पर

पंचायत चुनाव में टीएमसी से करेगी मुकाबला

एजेंसी । पंजाब विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने जीत का परचम लहराया है और अब दूसरे राज्यों में भी विस्तार की कवायद कर रही है। आम आदमी पार्टी ने राज्य की 117 सीटों में से 92 सीट पर जीत दर्ज की। जबकि कांग्रेस को 20 सीटें भी नसीब नहीं हो पाई। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने दूसरे राज्यों में भी दस्तक देने की योजना तैयार की। इसके तहत आम आदमी पार्टी

पश्चिम बंगाल के आगामी पंचायत चुनाव भी लड़ेगी। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के जरिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तृणमूल प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीधे चुनौती देने का मन बना चुके हैं। आपको बता दें कि दोनों ही पार्टियां अपने चुनाव चिह्न का विस्तार करने की योजना बना रही हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और फिर पंजाब में अपनी सरकार बना ली और गोवा में उन्हें दो सीटें मिली हैं। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के बाद गोवा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश की लेकिन उनके हाथों कुछ नहीं आया। ममता बनर्जी के बाद तेलंगाना राष्ट्र समिति प्रमुख और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने का आह्वान किया। आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी ने कोलकाता में रविवार को एक रैली निकाली। राज्य के लिए आम आदमी पार्टी के पर्यवेक्षक संजय बसु ने कहा कि हमारी बंगाल योजना फरवरी 2020 में तय की गई थी और हमने राज्य में अपने नेटवर्क का विस्तार करना शुरू कर दिया था। हमने पूरे बंगाल में 16 जिलों में ठिकाने बनाए।

दक्षिण राज्यों में चलाएगी सदस्यता कैंपेन-

इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी ने दक्षिणी राज्यों में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने बताया कि आम आदमी पार्टी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में सदस्यता अभियान शुरू करेगी। इसके अलावा पार्टी दक्षिणी राज्यों में चरणबद्ध तरीके से पदयात्रा भी निकालेगी। जिसकी शुरुआत 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर तेलंगाना से होगी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस को खत्म कर बापू का सपना पूरा कर रहे राहुल गांधी : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल । कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की मांग पर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस वैसे ही अपने अंतिम दौर में है। शायद इसकारण कांग्रेसी चाहते हैं, कि कांग्रेस को इस हालत में पहुंचाने वाले के ही सर-माथे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कांग्रेस खत्म करने का सपना पूरा करने का सेहरा बंधे। गृहमंत्री मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस में कौन अध्यक्ष बने ? कौन नही? यह उनकी पार्टी का अंदुरुनी मामला है, लेकिन यह सर्वविदित है, कि कांग्रेस राजनैतिक दल न होकर अब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। यहां गांधी परिवार के अलावा किसी को कमान मिलेगी यह सोचना ही गलत होगा। उन्होंने कहा कि यहां गांधी परिवार का एक व्यक्ति अध्यक्ष पद छोड़ता है,तब दूसरा वहां बैठ जाता है। दूसरा हटता है, तब पहले वाला बैठ जाता है। तीसरा और चौथा भी इस पद के लिए व्यक्ति तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी इस सच्चाई को समझ चुके है, इसकारण उन्होंने भी अब गांधी परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को अध्यक्ष बनाने की मांग छोड़ दी है। कांग्रेस नेता भी समझ चुके है कि लगभग पूरी कांग्रेस मिटा चुके राहुल गांधी को ही अंतिम कील ठोकने का अधिकार देना सही होगा।

जयशंकर ने कनाडा में पांच भारतीयों के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले पांच भारतीय छात्रों के निधन पर शोक व्यक्त किया। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया के अनुसार, दुर्घटना शनिवार को टोरंटो के पास हुई और दो घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''कनाडा में पांच भारतीयों के निधन से बेहद दुखी हूं। मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्हें हर संभव मदद मुहैया होगी। बिसारिया ने घटना को ''हृदयविदारक त्रासदी करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ''कनाडा में दिल दहला देने वाली घटना। शनिवार को टोरंटो के पास वाहन दुर्घटना में पांच भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दो अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। हर प्रकार की सहायता मुहैया कराने के लिए हम पीड़ितों के दोस्तों के सम्पर्क में हैं।

मुंबई में करीब दो करोड़ की चरस बरामद, एक गिरफ्तार

मुंबई, । मुंबई में करीब दो करोड़ रूपये मूल्य का चरस बरामद कर पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई दहिसर पुलिस द्वारा दहिसर टोल नाके के पास की गई जहां 6 किलो 560 ग्राम चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बरामद की गई चरस की कीमत 1 करोड़ 95 लाख है. गिरफ्तार आरोपी का नाम विजय चौहान (32) है. कोर्ट ने उसे 17 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. आरोपी विजय चौहान यूपी के कानपुर से मुंबई चरस बेचने के लिए आया था और मुंबई के मालाड स्थित मालवणी इलाके में रह रहा था. इस बीच मुंबई पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि एक शख्स दहिसर के पास चरस लेकर आने वाला है. जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर दहिसर चेक नाका पर आरोपी को धर दबोचा. आरोपी चौहान के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. अब पुलिस आरोपी चौहान से इस बारे में पूछताछ कर रही है कि उसके साथ कितने लोग जुड़े हुए हैं. वह कब से चरस के धंधे से जुड़ा हुआ है. इन सभी बातों की पुलिस गहराई से जांच कर रही है ।

पीएमओ के यूट्यूब चैनल को लेकर संसद में नहीं करने दिया गया सवाल

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने दावा किया है कि उन्हें संसद में प्रधानमंत्री कार्यालय के यूट्यूब चैनल से जुड़ा सवाल पूछने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने सोमवार को ट्वीट किया कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के यूट्यूब चैनल के कंटेन्ट को मोनेटाइज्ड किया जा रहा था? इस बारे में संसद में सवाल करने की अनुमति नहीं मिली। चिदंबरम ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट किया, ÷प्रधानमंत्री के यूट्यूब चैनल के बारे में मेरे प्रश्न को इस आधार पर अस्वीकार कर दिया गया है कि यह प्राथमिक रूप से भारत सरकार की चिंता नहीं है। यह चौंकाने वाली बात है कि देश के प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक चैनल को लेकर सरकार चिंता नहीं करती है। तीन-हिस्से वाले सवाल में, चिदंबरम ने पूछा कि क्या पीएमओ चैनल पर कंटेन्ट को मोनेटाइज्ड किया गया था, क्या इससे किसी तरह का राजस्व मिला था और क्या चैनल पर विज्ञापनों को चलाने की अनुमति दी गई थी, और क्या इनकी स्क्रीनिंग की जा रही थी? उन्होंने केंद्र सरकार से इस बारे में जानकारी मांगी थी।

12 से 14 साल के बच्चों और 60 से ऊपर के हर बुजुर्ग को बुधवार से लगेगा कोरोना टीका

नई दिल्ली । कोरोना वायरस बीमारी कोविड-19 के खिलाफ 12 से 14 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण बुधवार यानी 16 मार्च में शुरू होगा। भारत सरकार ने सोमवार को ये जानकारी दी। बता दें कि देश में 15-18 वर्ष की श्रेणी के लोगों का टीकाकरण लगभग पूरा हो चुका है। जिसके बाद अब 12-14 आयु वर्ग के सभी बच्चों का टीकाकरण शुरू होगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि केंद्र इस सप्ताह 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोविड टीकाकरण शुरू करेगा। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों को एहतियाती खुराक (बूस्टर डोज) देने के लिए कोमोरबिडिटी क्लॉज को हटा दिया जाएगा। यानी अब सभी सीनियर सिटीजन प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र होंगे। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, बच्चे सुरक्षित तो देश सुरक्षित! मुझे बताते हुए खुशी है की 16 मार्च से 12 से 13 व 13 से 14 आयुवर्ग के बच्चों का कोविड टीकाकरण शुरू हो रहा है। साथ ही 60+ आयु के सभी लोग अब प्रिकॉशन डोज लगवा पाएँगे। मेरा बच्चों के परिजनों व 60+ आयुवर्ग के लोगों से आग्रह है की वैक्सीन जरूर लगवाएँ। ज्ञात हो कि भारत ने 3 जनवरी से 15-18 वर्ष आयु वर्ग का टीकाकरण शुरू किया था।

हरियाणा में संगठित अवैध खनन का कोई मामला सामने नहीं आया : खनन मंत्री मूलचंद शर्मा

चंडीगढ़ ।

हरियाणा सरकार के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि राज्य में संगठित अवैध खनन का कोई मामला नहीं पाया गया है क्योंकि प्रशासन ने इस मामले में जीरो टालरेंस नीति अपनाई है। हालांकि खनिजों की चोरी की छिटपुट घटनाएं संज्ञान में आती हैं जिन्हें कानून के अनुसार निपटाया जा रहा है। इस तरह की घटनाओं सहित अन्य पड़ोसी राज्यों से बिना वैध सहायक दस्तावेजों के (अर्थात वैध बिल/सोल पर्ची के बिना) खनिजों के परिवहन के मामले भी खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) के अधिनियम, 1957 की धारा 21 (5) के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाकर निपटाए जाते हैं। हरियाणा सरकार ने अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति चुनी है तथा संबंधित जिले में अवैध खनन की किसी भी घटना पर नजर रखने, रोकने और इस संबंध में न्यायालयों के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिला उपायुक्तों की अध्यक्षता में जिलास्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स में सदस्यों के रूप में पुलिस अधीक्षक और अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी होते हैं। इन कार्यबलों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एक अन्य राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा की जाती है। राज्य सरकार द्वारा पुलिस की 2 विशेष प्रवर्तन टीमें भी गठित की गई हैं जो खनन अधिकारियों के साथ कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त अवैध खनन में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ एफआईआर आज भी दर्ज की जा रही हैं। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 2020 वाहन पकड़े गए, 21.65 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया गया और 211 एफआईआर दर्ज की गई। वहीं वित्त वर्ष 2020-21 में 3515 वाहन पकड़े गए, 82.77 करोड़ रुपए जुर्माना लगाया गया और 539 एफआईआर दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2021-22 में 2192 वाहन पकड़े गए, 29.40 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया गया और 977 एफआईआर दर्ज की गई।

सिख कर्मचारियों और यात्रियों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एयरपोर्ट पर सिख कर्मचारियों के कृपाण को प्रतिबंधित करने वाले फैसले को पलटते हुए नया ऑर्डर जारी किया है जिसके मुताबिक एयरपोर्ट पर ड्यूटी करने वाले सिख कर्मचारी या घरेलू विमान में यात्रा करने वाले सरदार यात्री कृपाण रख सकेंगे साथ ही यात्रा भी सकेंगे। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले द ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने इस संबंध में नया ऑर्डर जारी किया है। बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया को धन्यवाद देते हुए नए ऑर्डर की कॉपी ट्वीट करते हुए लिखा कि सिख कर्मचारी और यात्री दोनों अब भारतीय एयरपोर्ट पर कृपाण रख सकते हैं। ऑर्डर के मुताबिक एयरपोर्ट पर ले जाने वाले कृपाण के ब्लेड का साइज 6 इंच से ज्यादा और पूरे कृपाण का साइज 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में सिविए एविएशन मिनिस्ट्री ने एक ऑर्डर जारी किया था जिसके मुताबिक एयरपोर्ट पर सिख समुदाय के लोगों के कृपाण रखने पर बैन लगा दिया गया था। कृपाण सिख समुदाय के पांच धार्मिक प्रतीकों में से एक है। सिख समुदाय के लोगों के लिए केश, कड़ा, कच्छा, कृपाण और कंघा धारण करना अनिवार्य है। एविएशन मिनिस्ट्री की तरफ से पिछले दिनों गाइडलाइंस जारी हुई थी उसके मुताबिक एयरपोर्ट पर सिख कर्मचारी या सिख यात्री कृपाण लेकर नहीं जा सकेगा जिसे सरकार ने बदल दिया है।

मुंबई और जयनगर (बिहार) के बीच 4 होली स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, । होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे मुंबई और जयनगर के बीच 4 विशेष ट्रेनें चलाएगा। विवरण इस प्रकार हैं। ट्रेन संख्या 05562 होली स्पेशल लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दिनांक 25.03.2022 और 01.04.2022 को 00.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05561 होली स्पेशल जयनगर से दिनांक 22.03.2022 और 29.03.2022 को 23.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। हॉल्ट्- कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं, बक्सर, आरा, पटना, बरौनी, समस्तीपुर और दरभंगा। संरचना- 15 शयनयान श्रेणी और 9 सामान्य द्वितीय श्रेणी एवं गार्ड की ब्रेक वैन। आरक्षण- स्पेशल ट्रेन संख्या 05562 के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों समय और हाल्ट की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इन्डारी इंडियनरेल.जीओवी.इन देखें या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। कृपया अपनी और दूसरों की संरक्षा के लिए ।

अमेरिका में तो 50 पर्सेंट महंगा हुआ पेट्रोल भारत में सिर्फ 5 फीसदी: हरदीप पुरी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस हरदीप सिंह पुरी ने संसद में पेट्रोल-डीजल की कीमत पर बात की। पुरी ने कहा, ÷मेरे पास यूएसए कनाडा, जर्मनी, यूके, फ्रांस, स्पेन, श्रीलंका और भारत का डेटा है। उन सभी देशों में हाल के दिनों में पेट्रोल की कीमत में 50त्न, 55त्न, 58त्न, 55त्न की वृद्धि हुई है। वहीं भारत में यह केवल 5त्न बढ़ा है। ईंधन की कीमतों पर केंद्रीय मंत्री एचएस पुरी ने कहा, ÷जब हमने देखा कि उपभोक्ताओं को राहत मुहैया कराने जरूरत है, तो पीएम ने 5 नवंबर 2021 को दरों में कटौती की। हमने कुछ कदम उठाए हैं। साथ ही कुछ और फैसले लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन 9 राज्यों ने ऐसा नहीं किया। टैक्सेशन केवल एक पहलू है, हमें उपभोग के बिंदु पर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना है। दूसरी तरफ, सरकार ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष के लिए अनुदान की अनुपूरक मांग के तीसरे बैच में 1.07 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त व्यय के लिए संसद की मंजूरी मांगी। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2021-22 के अनुदान की अनुपूरक मांगों के तीसरे व अंतिम बैच को दर्शाने वाला विवरण पेश किया। निचले सदन में पेश अनुदान की अनुपूरक मांगों के तीसरे बैच के दस्तावेज के अनुसार, इसके तहत 1.58 लाख करोड़ रुपए के सकल अतिरिक्त व्यय के लिये मंजूरी मांगी गई है। इसमें 1.07 लाख करोड़ रूपये निवल नकद व्यय के रूप में है जबकि विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की बचत और बढ़ी हुई प्राप्तियों या वसूलियों के जरिए 50,946 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा।

उत्तराखंड को 19 मार्च को मिलेगा सीएम, धामी ने कहा.....प्रक्रिया जारी

देहरादून।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की है। भाजपा को 70 में से 47 सीटों पर जीत हासिल हुई है। हालांकि चिंता की बात भाजपा के लिए यह है, कि सीएम फेस पुष्कर सिंह धामी खुद अपनी सीट से चुनाव हार गए हैं। उत्तराखंड में भाजपा पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रही थी। इसके बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर उत्तराखंड में अब अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इसके लिए भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पीयूष गोयल उत्तराखंड के पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 19 मार्च को यह दोनों नेता देहरादून जाएंगे। होली के अगले ही दिन उत्तराखंड में विधायक दल की बैठक होगी। बैठक में उत्तराखंड के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। चुनाव हार जाने के बावजूद भी धामी फिलहाल मुख्यमंत्री की रेस में बने हुए हैं। इतना ही नहीं धामी के लिए कई विधायकों ने अपनी सीट खाली करने की पेशकश भी कर दी है।

सरकार गठन की प्रक्रिया को लेकर धामी का भी बड़ा बयान आया है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही विधान मंडल दल की बैठक होगी और उसके बाद नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि उत्तराखंड में सीएम बनने की चाहत में कई नेता दिल्ली में अपना डेरा डाले हुए हैं। सीएम की रेस में कई बड़े चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं।

मी प्रसाद मौर्य ने अपनी हार को लेकर दिया बड़ा बयान

आजमगढ़ ।

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी छोड़कर सपा का दामन थामने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनावी मैदान में हार का सामना करना पड़ा। अब मौर्य ने अपनी हार को लेकर बड़ा बयान दिया है और ईवीएम को लेकर सवाल उठाए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बैलेट से हमें ज्यादा वोट मिले लेकिन ईवीएम में क्या हुआ यह समझ में नहीं आया। कहीं ना कहीं ईवीएम में खेल तो हुआ है। इस बारे में हमें सोचने और चिंतन करने की जरूरत है। इससे पहले सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने भी ईवीएम को लेकर सवाल उठाए थे। चर्चाएं चल रही हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य को अखिलेश यादव एक और मौका दे सकते हैं। दरअसल अखिलेश यादव आजमगढ़ से सांसद हैं और वे करहल से विधायक पद का इस्तीफा दे सकते हैं। ऐसे में सपा की तरफ से स्वामी प्रसाद मौर्य करहल से चुनाव लड़कर विधायक बन सकते हैं। जब इसको लेकर उनसे सवाल पूछा गया, तो मौर्य ने कहा कि करहल विधानसभा को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से कोई बात नहीं हुई है। जिस बारे में कोई बात नहीं हुई इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा। स्वामी प्रसाद मौर्य चुनाव से पहले बीजेपी को छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। चुनाव प्रचार के दौरान वो खुद को नेवला और बीजेपी को सांप बता रहे थे, लेकिन चुनाव में उनकी बड़ी-बड़ी बातें खोखली साबित हुईं। फाजिलनगर सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्य 26 हजार से ज्यादा वोटों के मार्जिन से हार गए। फाजिलनगर सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्य 26 हजार से ज्यादा वोटों के मार्जिन से हार गए। बीजेपी के सुरेन्द्र कुशवाहा ने उन्हें हरा दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश में भारी बहुमत हासिल कर लिया है। जल्द ही योगी आदित्यनाथ एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कोविड से मौत के झूठे दावे पर शीर्ष अदालत चिंतित, कहा- हमने इस बारे में कभी सोचा नहीं था

नई दिल्ली ।

महामारी कोरोना को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को कोविड से हुई मौत के संबंध में मुआवजे के फर्जी दावों पर अपनी चिंता जताई और कहा कि वह इस मामले में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) को जांच का निर्देश दे सकता है। शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि कथित फर्जी मौत के दावों की जांच महालेखा परीक्षक कार्यालय को सौंपी जा सकती है। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि इस तरह के फर्जी दावे आ सकते हैं। हमने कभी नहीं सोचा था कि इस योजना का दुरुपयोग किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अगर इसमें कुछ अधिकारी भी शामिल हैं तो यह बहुत गंभीर है। अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 52 की ओर इशारा किया, जो इस तरह की चिंताओं को दूर करता है। न्यायमूर्ति शाह ने कहा, हमें शिकायत दर्ज करने के लिए किसी की आवश्यकता है। एक वकील ने राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों द्वारा मुआवजे के दावों की रैंडम जांच करने का सुझाव दिया। बच्चों को मुआवजे के पहलू पर, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके द्वारा आदेशित 50,000 रुपए का अनुग्रह भुगतान, कोविड -19 के कारण प्रत्येक मृत्यु के लिए किया जाना है, न कि प्रभावित परिवार के प्रत्येक बच्चे को। 7 मार्च को, सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों द्वारा कोविड की मौतों के लिए अनुग्रह मुआवजे का दावा करने के लिए लोगों को नकली चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी करने पर चिंता व्यक्त की, और कहा कि वह इस मामले की जांच का आदेश दे सकता है। केंद्र ने प्रस्तुत किया था कि कोविड की मृत्यु से संबंधित दावों को प्रस्तुत करने के लिए एक बाहरी सीमा तय की जा सकती है, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन हो जाएगी, और कहा कि कुछ राज्य सरकारों को डॉक्टरों द्वारा जारी किए गए नकली चिकित्सा प्रमाण पत्र मिले हैं। मेहता ने यह भी बताया कि कुछ मामलों में डॉक्टर के प्रमाण पत्र के माध्यम से अनुग्रह मुआवजे पर शीर्ष अदालत के आदेश का दुरुपयोग किया गया है। फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पर चिंता जताते हुए पीठ ने कहा, चिंता की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया फर्जी सर्टिफिकेट बहुत गंभीर बात है। शीर्ष अदालत ने मेहता की इस दलील से भी सहमति जताई कि कोविड की मौत के दावों को दर्ज करने की समय सीमा होनी चाहिए। पीठ ने कहा, कुछ समय-सीमा होनी चाहिए, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन रूप से चलेगी...। शीर्ष अदालत अधिवक्ता गौरव बंसल द्वारा कोविड पीड़ितों के परिवारों को राज्य सरकारों द्वारा अनुग्रह मुआवजे के वितरण के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। शीर्ष अदालत विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कोविड -19 मौतों के लिए 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि के वितरण की निगरानी कर रही है।

वार्ड नं. २७ (डिंडोली-दक्षिण) में गुजरात प्रदेश प्रमुख के 68 वें जन्मदिन के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। भारतीय जनता पार्टी गुजरात प्रदेश अध्यक्ष के 68 वें जन्मदिन के अवसर पर महाराष्ट्र की प्रख्यात कीर्तनकार ह.भ.प. पल्लवी ताई दौंड का कीर्तन का कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के नगरसेवक भाईदास सिताराम पाटिल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने वार्ड नंबर 27 की जनता से आग्रह किया है । इस प्रख्यात कलाकार सुनने के लिए अवश्य पधारें भारतीय जनता पार्टी गुजरात प्रदेश प्रमुख एवं नवसारी लोक सभा सांसद सीआर पाटील के 68 में जन्मदिन के अवसर पर भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया।

चीन से सैन्य मदद मांग रहा है रूस : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन ।

अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा है कि रूस ने चीन से यूक्रेन पर हमले में इस्तेमाल करने के लिए सैन्य उपकरण मांगे हैं। उसके इस अनुरोध ने अमेरिका के शीर्ष सहायकों और चीन की सरकार के बीच रोम में सोमवार को हो रही बैठक के मद्देनजर युद्ध को लेकर तनाव बढ़ा दिया है। वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने खुलेआम चीन को आगाह किया कि वह वैश्विक प्रतिबंधों से बचाने के लिए रूस की मदद न करें। इन वैश्विक प्रतिबंधों ने रूस की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''हम यह होने नहीं देंगे।'' चीन का रूस को वित्तीय मदद की पेशकश करना राष्ट्रपति जो बाइडन की कई चिंताओं में से एक है। गोपनीयता की शर्त पर एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हाल के दिनों में रूस ने चीन से सैन्य उपकरण समेत अन्य मदद मांगी है। इस संबंध में सबसे पहले खबर फाइनेंशियल टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट ने दी थी। बाइडन प्रशासन ने चीन पर रूस को लेकर गलत सूचनाएं फैलाने का भी आरोप लगाया है जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना के यूक्रेन पर रासायनिक या जैविक हथियारों से हमला करने के लिए एक बहाना हो सकती है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि बीजिंग रूस के इन गलत दावों का प्रचार कर रहा है कि यूक्रेन अमेरिका की मदद से रासायनिक और जैविक हथियारों की प्रयोगशालाएं चला रहा है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से चीन अपने दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ तनाव की स्थिति में आ गया है। चीन को इन बाजारों तक पहुंच की जरूरत है लेकिन उसने मॉस्को के प्रति भी समर्थन दिखाया है। उसने कहा है कि रूस के साथ उसकी दोस्ती की ''कोई सीमा नहीं'' है। चीन के विदेश नीति के वरिष्ठ सलाहकार यांग जिएची के साथ वार्ता में सुलिवान निश्चित तौर पर इस पर चर्चा करेंगे कि बीजिंग किन सीमाओं तक मॉस्को की मदद करेगा। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने सोमवार को विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि बैठक में ''यूक्रेन की स्थिति निश्चित तौर पर बातचीत का मुद्दा होगी। संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अमेरिका यूक्रेन के मुद्दे पर हाल में चीन को निशाना बनाते हुए झूठी सूचनाएं फैलाने का अभियान चला रहा है।

अविश्वास प्रस्तावः सत्तारूढ़ गठबंधन में अंदरूनी कलह का इमरान को मिला फायदा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ गठबंधन में अंदरूनी कलह का प्रधानमंत्री इमरान खान को फायद मिल रहा है। प्रधानमंत्री इमरान के नेतृत्व वाली सरकार के चार प्रमुख गठबंधन सहयोगियों ने आपसी कलह के चलते अभी तक उनके खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर अपना रुख तय नहीं किया है। हालांकि, इनमें से एक ने समर्थन के बदले में सरकार को ''ब्लैकमेल किया है, जिससे सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की संसद में महत्वपूर्ण मतदान से पहले समस्या बढ़ गई है। 'डॉन अखबार की खबर के अनुसार केंद्र और पंजाब प्रांत में के एक महत्वपूर्ण सहयोगी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू ने प्रधानमंत्री खान से चौधरी परवेज इलाही को उस्मान बुजदार के स्थान पर पंजाब का मुख्यमंत्री घोषित करने के लिए कथित तौर पर कहा है। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने शनिवार को आरोप लगाया कि पीएमएल-क्यू समर्थन के बदले सरकार को 'ब्लैकमेल कर रही है। अहमद की आलोचना करते हुए, जल संसाधन मंत्री चौधरी मूनिस इलाही ने ट्विटर पर आरोप लगाया कि गृह मंत्री ''अपने छात्र जीवन के दौरान पार्टी के बड़े नेताओं से पैसे लेते थे। पीएमएल-क्यू के सीनेटर कामिल अली आगा ने कहा, ''हम प्रधानमंत्री के भाषण की निंदा करते हैं। हम इसे शर्मनाक मानते हैं। निर्णय लेने में देरी के कारण के बारे में पूछे जाने पर, आगा ने कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व ने हमेशा विचार-विमर्श और चर्चा के बाद निर्णय लिया है।

एक अन्य सवाल के जवाब में, आगा ने उन खबरों का खंडन किया कि सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी को पीटीआई में विलय करने के लिए कहा था। पीएमएल-क्यू सीनेटर ने सूचना मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वह उन्हें इस तरह के गंभीर राजनीतिक मामलों के बारे में बात करने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं मानते हैं।

रुसी अरबपति कारोबारी की चेतावनी, ऐसा करके रुस 100 साल पीछे चला जाएगा

मॉस्को ।

यूक्रेन पर हमले के बाद कई कंपनियां या रूस छोड़ चुकी हैं,या फिर छोड़ने की घोषणा कर चुकी हैं। इसके बाद वहां उन कंपनियों के एसेट्स को जब्त किया जा रहा है। इस लेकर रूस के सबसे अमीर बिजनेसमैन ने क्रेमलिन को चेतावनी देकर कहा है कि इस तरह के कदम से देश 100 साल से ज्यादा पीछे चला जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार मेटल इंडस्ट्री के दिग्गज कंपनी नोरिल्स्क निकेल के अध्यक्ष और सबसे बड़े शेयर धारक व्लादीमीर पोटानिन ने चेतावनी देकर कहा है कि अगर रूस ने पश्चिमी कंपनियों और निवेशकों के लिए दरवाजे बंद किए, तब रूस के 1917 की क्रांति के कठिन दिनों में फिर से पहुंच जाने का खतरा है। उन्होंने रूसी सरकार से संपत्ति की जब्ती के संबंध में अत्यधिक सावधानी बरतने की गुजारिश की। उन्होंने कहा, सबसे पहले यह हमें 100 साल पीछे 1917 में ले जाएगा और इस तरह के एक कदम का परिणाम हम कई दशकों तक अनुभव होगा। दूसरा यह है कि रूस में संचालन को निलंबित करने का कई कंपनियों का फैसला कुछ हद तक भावनात्मक है और विदेशों में जनता की राय से उन पर बने अभूतपूर्व दबाव की वजह से लिया गया हो सकता है। इसके बाद सबसे अधिक संभावना है कि वह जल्दी ही वापस आ जाएं और व्यक्तिगत रूप से में उनके लिए ऐसा अवसर रखूंगा। यूक्रेन पर रूसी हमले और प्रतिबंधों के जवाब में दर्जनों अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों ने अपने ज्वाइंट वेंचर, कारखानों, दुकानों और कार्यालयों और अन्य संपत्तियों को रूस में छोड़ दिया है। गोल्डमैन सैक्स और जेपी मॉर्गन ने भी रूस छोड़ने का फैसला किया है। यह दोनों पहले प्रमुख पश्चिमी बैंक हैं, जिन्होंने ऐसा ऐलान किया है।

जागी जंग थमने की उम्मीद, रूस और यूक्रेन के बीच इजरायल करेगा मध्यस्थता

कीव ।

रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में इजरायल मध्यस्थता करेगा। यूक्रे नी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की प्रशासन के प्रमुख एंड्री यरमक ने इसकी जानकारी दी है। उम्मीद है कि इस मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच रार थमने को लेकर कुछ बात बन सकती है।इससे पहले इजरायली राष्ट्रपति नफ्ताली बेनेट ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। रूसी मीडिया ने दावा किया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की खुद यहूदी हैं। हालांकि, फिलहाल इजरायल मामले में तटस्थ रहकर अपनी

बातचीत हो चुकी है, इसके बाद रूस के इस दावे को सकारात्मक रूप में लिया जा रहा है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी यरुशलम में पुतिन से मिलने का प्रस्ताव रखा है। जेलेंस्की ने ही इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से मध्यस्थ के रूप में कार्य करने की अपील की थी। यरुशलम यहूदी और ईसाइयों की पवित्र नगरी है। इजरायल यहूदी धर्म के अनुयायियों को लेकर संवेदना और सहानुभूति रखता है। बता दें कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की खुद यहूदी हैं। हालांकि, फिलहाल इजरायल मामले में तटस्थ रहकर अपनी भूमिका निभा रहा है। इजराइल का मानना है कि वह संकट को कम करने के लिए रूस के साथ बातचीत बनाए रखेगा। इसकारण प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट 5 मार्च की रात अचानक रूस जा पहुंचे थे। मॉस्को में इसी मसले को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमिर और बेनेट के बीच ढाई घंटे से भी ज्यादा समय तक बातचीत हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान वायु सेना का लड़ाकू विमान लापता, पायलट को बचाया

ताइपे। ताइवान की वायु सेना ने कहा कि उसका फ्रांस निर्मित मिराज 2000 लड़ाकू विमान द्वीप के पूर्वी तट पर लापता हो गया, लेकिन पैराशूट की मदद से पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है। वायु सेना ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल हुआंग चुंग-काई को यांत्रिक दिक्कत की सूचना देने के बाद सोमवार पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे निकाल लिया गया। उसने बताया कि हुआंग ने नियमित प्रशिक्षण अभियान के तहत तैतुंग हवाई अड्डे से करीब एक घंटे पहले उड़ान भरी थी। उन्हें एक बचाव हेलीकॉप्टर ने बचाया। वायु सेना उपकरणों के पुराने होने और चीन के इस द्वीप को अलग-थलग करने के प्रयासों के बीच ताइवान नए उपकरण खरीदने में परेशानी का सामना कर रहा है। उसने चीन के आक्रामक रुख के बीच नब्बे के दशक में 55 मिराज 2000 विमान खरीदे थे।

कनाडा में 5 भारतीय छात्रों की भीषण सड़क हादसे में मौत, विदेश मंत्री ने जताया शोक

ओटावा । कनाडा में एक भीषण सड़क दुर्घटना में 5 भारतीय छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब छात्रों की कार ओंटारियो हाईवे पर शनिवार को एक ट्रैक्टर-ट्रेलर से भिड़ गई। सोमवार को कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की जानकारी दी। ट्विटर पर जानकारी देते हुए भारतीय राजनयिक ने घटना पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि हम पीड़ितों के मित्रों को हर तरह की मदद मुहैया कराने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय राजनयिक अजय बिसारिया ने ट्वीट किया, कनाडा में दिल तोड़ने वाली घटना। टोरंटो के पास शनिवार को एक ऑटो एक्सिडेंट में 5 भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दो अन्य छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़ितों के परिवारों के साथ हमारी संवेदना है। मदद के लिए भारतीय उच्चायोग पीड़ितों के दोस्तों के साथ संपर्क में है। ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस ने बताया कि छात्रों की पहचान हरप्रीत सिंह, जसपिंदर सिंह, करणपाल सिंह, मोहित चौहान और पवन कुमार के तौर पर हुई है। भारतीय छात्रों की दुखद मौत पर विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने दुख जताया है। मंत्री ने ट्वीट किया, कनाडा में 5 भारतीय छात्रों की मौत पर गहरा दुख है। उनके परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। घायलों के जल्द रिकवर होने की प्रार्थना करते हैं। कनाडा में भारतीय उच्चायोग की ओर से पीड़ितों को पूरी मदद मुहैया कराई जाएगी। घटना में घायल दो छात्रों को नजदीक के एक अस्पताल में ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि इस हादसे की जांच की जा रही है कि आखिर इसकी वजह क्या थी। सभी भारतीय छात्र कनाडा के ग्रेटर टोरंटो और मॉन्ट्रियल इलाके के रहने वाले थे।

आलू, टमाटर दामों को नियंत्रित करने राजनीति में नहीं आया-इमरान

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने उनके विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने पर विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह आलू, टमाटर की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए राजनीति में नहीं आये। खान ने पंजाब प्रांत के हाफिजाबाद में एक राजनीतिक रैली में कहा कि देश उन तत्वों के विरूद्ध खड़ा होगा जो 'धनबल के माध्यम से' सरकार को गिराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उनके कार्यकाल के शेष समय में एक महान राष्ट्र बनने जा रहा है क्योंकि उनकी सरकार द्वारा घोषित रियायतों के नतीजे शीघ्र ही सामने आयेंगे। क्योंकि ऐसा कर उन्हें कोई निजी फायदा नहीं हुआ है क्योंकि उनके पास पहले से ही जीवन में वह सब कुछ है जिसका एक व्यक्ति सपना देखता है। खान ने कहा कि वह देश के युवाओं की खातिर राजनीति में आये क्योंकि ऐसा कर उन्हें कोई निजी फायदा नहीं हुआ है क्योंकि उनके पास पहले से ही जीवन में वह सब कुछ है जिसका एक व्यक्ति सपना देखता है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष ने कहा, ''मैं आलू और टमाटर के दाम जानने राजनीति में नहीं आया। मैं देश के युवाओं की खातिर राजनीति में आया हूं।'' उन्होंने कहा, ''यदि हम महान राष्ट्र बनना चाहते हैं तो हमें सच का साथ देना होगा और यही वह बात है, जिसकी मैं पिछले 25 वर्षों से सीख दे रहा हूं।'' पाकिस्तान की सामान्य महंगाई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में मापी जाती है और यह 24 महीने के सर्वोच्च स्तर 13 प्रतिशत पर है और लगभग सभी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। एक अखबार के अनुसार जनवरी, 2020 के बाद यह सर्वोच्च सीपीआई मुद्रास्फीति है, जब यह 14.6 फीसदी थी।

यूक्रेन- मारियुपोल अस्पताल में तेज बम धमाके में घायल प्रसूता की मौत

कीव । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन से खबर आ रही है कि यहां एक 10 मार्च को मारियुपोल शहर में एक प्रसूति अस्पताल में रूसी गोलाबारी के दौरान घायल हुई एक गर्भवती स्त्री की मौत हो गई है, जिससे हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। यूक्रेन के स्थानीय अखबार ने वॉयस ऑफ अमेरिका की पत्रकार आसिया डोलिना के हवाले से एक फेसबुक पोस्ट में कहा है कि मारियुपोल (प्रसूति अस्पताल) में बच्चों के अस्पताल नंबर 3 की बमबारी स्थल से वीडियो, फोटो रिपोर्ट में दिखाई देने वाली गर्भवती लड़की की मौत हो गई है। 24 फरवरी को रूस द्वारा युद्ध शुरू करने के बाद से अस्पताल की हड़ताल, सबसे भीषण हमलों में से एक है, जिसमें 17 अन्य घायल भी हुए हैं। मारियुपोल नगर परिषद ने रविवार को दावा किया कि 24 घंटों में कम से कम 22 बम विस्फोट हुए। कुल मिलाकर, मारियुपोल पर लगभग 100 बम गिराए गए हैं, रूसी हमलों के कारण मारियुपोल के 2,187 निवासी अब तक मारे गए हैं। नगर परिषद ने कहा कि रूसी सैनिक जानबूझकर आवासीय भवनों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं, बच्चों के अस्पतालों को धराशायी कर रहे हैं और शहर के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट कर रहे हैं।

रूस-यूक्रेन के बीच वार्ता का चौथा दौर बहाल होने की उम्मीद

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास तेज हो रहे हैं, दोनों पक्षों द्वारा सप्ताहांत में प्रगति का हवाला दिए जाने के बाद यूक्रेनी और रूसी वार्ताकारों ने फिर से बात करने की तैयारी की है। यूक्रेन ने सोमवार को कहा कि वह मास्को द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद दो सप्ताह से अधिक की लड़ाई को समाप्त करने के लिए चौथे दौर की बातचीत के दौरान तत्काल युद्धविराम और रूसी सैनिकों की वापसी की मांग करेगा। युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव में रूसी सेना का आक्रामक अभियान बढ़ता जा रहा है और उसकी घेराबंदी से जूझ रहे अन्य शहरों के निवासियों ने सोमवार को उम्मीद जतायी कि रूस के साथ नए सिरे से कूटनीतिक वार्ता से और अधिक नागरिकों को निकाले जाने या उन तक आपात सामान पहुंचने का रास्ता खुल सकता है। इससे एक दिन पहले मॉस्को ने पोलैंड की सीमा के समीप स्थित इलाकों में गोलाबारी तेज कर दी और राजधानी कीव में भी लड़ाई जारी है। यक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने राजधानी के उपनगरों में तोपें दागी। देशभर मे शहरों में रातभर हवाई हमले के अलर्ट सुनायी दिए। अधिकारियों ने बताया कि कीव के पूर्व ब्रोवरी में एक स्थानीय काउंसलर लड़ाई में मारा गया। शहर के उत्तरी जिले में नौ मंजिला इमारत पर तोपें गिरने के बाद दो लोगों की मौत हो गयी। क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सी कुलेबा ने यूक्रेन के टेलीविजन पर बताया कि कीव के उपनगरों इरपिन, बुचा और होस्तोमेल पर भी गोलाबारी हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सहायक मिखाइलो पोदोल्याक ने कहा कि यूक्रेन और रूस के अधिकारियों के बीच घेराबंदी का शिकार शहरों में भोजन, पानी, दवा और अन्य आवश्यक सामान की आपूर्ति करने देने पर चर्चा के लिए सोमवार को चौथे दौर की वार्ता होने की उम्मीद है। इससे पहले सहायता या नागरिकों की निकासी पर हुई वार्ता के बावजूद मारियुपोल शहर अन्य हिस्सों से कटा हुआ है। वार्ता के बावजूद मारियुपोल शहर अन्य हिस्सों से कटा हुआ है। रविवार को पश्चिमी यूक्रेन में एक सैन्य अड्डे पर रूसी मिसाइलों से हमला किया गया, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गयी। यह सैन्य अड्डा यूक्रेन और नाटो देशों के बीच सहयोग का अहम केंद्र था। इससे यह आशंका पैदा हो गयी है कि नाटो देश लड़ाई में शामिल हो सकते हैं। इस हमले ने पुराने शीतयुद्ध काल की दुश्मनी को फिर से पैदा कर दिया है और मौजूदा वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को खतरा पैदा हो गया है।

भारत-पाक मिसाइल मामले चीन ने अड़ाई टांग, कहा-शुरू की जाए गहन जांच

बीजिंग।

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे मिसाइल मामले दखलअंदाजी करते हुए चीन ने सोमवार को कहा कि दोनों देशों को जल्द से जल्द बातचीत करनी चाहिए और मिसाइल के ''दुर्घटनावश चलने की ''गहन जांच शुरू करनी चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यहां एक पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि पाकिस्तान और भारत दोनों दक्षिण एशिया में प्रमुख देश हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने की जिम्मेदारी साझा करते हैं। भारतीय मिसाइल के ''दुर्घटनावश चलने%% को लेकर एक पाकिस्तानी पत्रकार द्वारा पर चीन की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ''हमने प्रासंगिक जानकारी पर गौर किया है। झाओ ने कहा, ''हम संबंधित देशों से जल्द से जल्द बातचीत और संवाद करने और इस घटना की गहन जांच शुरू करने, सूचना साझा करने को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसे सुनिश्चित करने और गलत अनुमान को रोकने के लिए एक अधिसूचना तंत्र स्थापित करने का आह्वान करते हैं। शुक्रवार को, भारत सरकार ने कहा कि दो दिन पहले गलती से एक मिसाइल चल गई थी, जो पाकिस्तान में गिरी और यह ''खेदजनक घटना नियमित रखरखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और इसमें एक 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है। उससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने कहा था कि भारत से छोड़ी गई एक 'हाई-स्पीड प्रोजेक्टाइल उसके हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई और पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में मियां चन्नू के पास गिरी। भारत के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में गिरी। यह घटना अत्यंत खेदजनक है, राहत की बात है कि कोई जनहानि नहीं हुई। बयान में कहा गया, ''तकनीकी खराबी के कारण नौ मार्च को नियमित रखरखाव के दौरान दुर्घटनावश एक मिसाइल चल गई। भारत सरकार ने दुर्घटनावश मिसाइल चल जाने की घटना को गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गिरी मिसाइल के दुर्घटनावश चलने पर भारत के ''सरलीकृत स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है। पाकिस्तान ने इस घटना से संबंधित तथ्यों का सही तरीके से पता लगाने के लिए संयुक्त जांच की मांग की थी।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने कहा था कि यह घटना परमाणु वातावरण में दुर्घटनावश या अनधिकृत मिसाइल प्रक्षेपण के खिलाफ सुरक्षा उसने कहा था, ''इस तरह के गंभीर मामले को भारतीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सरलीकृत स्पष्टीकरण से हल नहीं किया जा सकता है।

यूक्रेन के शरणार्थियों को घरों में रखने वाले परिवारों को 350 पाउंड देगी ब्रिटेन सरकार

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने उन परिवारों को 350 पाउंड (456 अमेरिकी डॉलर) प्रति माह भत्ता देने की घोषणा की, जो युद्ध क्षेत्र से आने वाले यूक्रेनी शरणार्थियों को अपने घरों में आश्रय देते हैं। ब्रिटेन के आवास मंत्री माइकल गोव ने टेलीविजन पर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हजारों शरणार्थी अतिरिक्त योजनाओं से लाभान्वित होंगे, जिसमें स्थानीय परिषदों के लिए प्रति व्यक्ति 10,000 पाउंड (13,000 अमेरिकी डॉलर) का अनुदान शामिल होगा ताकि रूस-यूक्रेन संघर्ष की वजह से यहां आने वाले लोगों की अतिरिक्त जरूरतों को पूरा किया जा सके। मंत्री ने कहा कि शरणार्थियों की करदाताओं द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) तक भी पहुंच होगी। गोव ने बताया, यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए, स्थानीय अधिकारियों को प्रति व्यक्ति 10,000 पाउंड से अधिक उपलब्ध कराया जायेगा। यूक्रेन के लिए नई आवास योजना के तहत सोमवार से ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा सकेगा। प्रायोजन (स्पांसर) योजना के तहत, प्रायोजक के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति एक नामित यूक्रेनी व्यक्ति या परिवार को उनके साथ अपने घर में किराए पर मुक्त रहने के लिए, या एक अलग संपत्ति देने में सक्षम होंगे। योजना के तहत आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे, प्रायोजकों की जांच की जाएगी और शरणार्थियों को सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। गोव ने बीबीसी को बताया, ''यह सबसे तेज तरीका है जिससे हम लोगों को खतरे से बाहर निकालकर ब्रिटेन में ला सकते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या वह एक यूक्रेनी शरणार्थी को अपने घर ले जाएंगे, मंत्री ने ''हां'' कहा। उन्होंने कहा कि वह देख रहे हैं कि इस संबंध में क्या किया जा सकता है। गौरतलब है कि रूसी हमलों से बचने के लिए 25 लाख से अधिक लोगों के यूक्रेन से पलायन करने का अनुमान है।

दुर्घटनावश मिसाइल चलने का मामला: चीन ने कहा, भारत, पाक को बातचीत, गहन जांच करनी चाहिए

बीजिंग ।

चीन ने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को जल्द से जल्द बातचीत करनी चाहिए और हाल ही में भारत की ओर से एक मिसाइल के ''दुर्घटनावश'' चलने की ''गहन जांच'' शुरू करनी चाहिए, जो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गिरी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यहां एक पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि पाकिस्तान और भारत दोनों दक्षिण एशिया में प्रमुख देश हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने की जिम्मेदारी साझा करते हैं। भारतीय मिसाइल के ''दुर्घटनावश चलने'' को लेकर एक पाकिस्तानी पत्रकार द्वारा पर चीन की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ''हमने प्रासंगिक जानकारी पर गौर किया है।'' झाओ ने कहा, ''हम संबंधित देशों से जल्द से जल्द बातचीत और संवाद करने और इस घटना की गहन जांच शुरू करने, सूचना साझा करने को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसे सुनिश्चित करने और गलत अनुमान को रोकने के लिए एक अधिसूचना तंत्र स्थापित करने का आह्वान करते हैं।'' शुक्रवार को, भारत सरकार ने कहा कि दो दिन पहले गलती से एक मिसाइल चल गई थी, जो पाकिस्तान में गिरी और यह ''खेदजनक'' घटना नियमित रखरखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और इसमें 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया है। उसके एक दिन पहले पाकिस्तान ने कहा था कि भारत से छोड़ी गई एक 'हाई-स्पीड प्रोजेक्टाइल' उसके हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई और पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में मियां चन्नू के पास गिरी। भारत के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में गिरी। यह घटना अत्यंत खेदजनक है, राहत की बात है कि कोई जनहानि नहीं हुई।'' बयान में कहा गया, ''तकनीकी खराबी के कारण नौ मार्च को नियमित रखरखाव के दौरान दुर्घटनावश एक मिसाइल चल गई। भारत सरकार ने दुर्घटनावश मिसाइल चल जाने की घटना को गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए हैं।' पाकिस्तान ने इस घटना से संबंधित तथ्यों का सही तरीके से पता लगाने के लिए संयुक्त जांच की मांग की थी। पाकिस्तानी में दुर्घटनावश या अनधिकृत मिसाइल प्रक्षेपण के खिलाफ सुरक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी सुरक्षा उपायों के संबंध में कई बुनियादी सवाल उठाती है।

सुविचार जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यत- सबसे बड़ा मूर्ख होता है। - सुदर्शन

संपादकीय

भाजपा अविजित तो आप नए विकल्प की राह पर!

जीत की इंजीनियरिंग

पंजाब के अपवाद को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में भाजपा की दमदार वापसी ने चुनाव पंडितों को भी हैरत में डाला है। इसमें भी उ.प्र. में कई मिथक तोड़कर योगी सरकार की वापसी कई मायनों में चौंकाने वाली है। निस्संदेह, सपा के सूत्रधार अखिलेश ने यादव, जाट व मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जो कड़ी चुनौती भाजपा के लिये पैदा की, उसमें चुनाव विश्लेषक भाजपा की जीत की राह को संदेह से देख रहे थे। लेकिन बृहस्पतिवार को जब चुनाव परिणाम आये तो चुनाव पंडितों के चौंकने की बारी थी। दिल्ली की गद्दी की राह तय करने वाले प्रदेश के चुनाव परिणामों के समीकरणों को भाजपा व नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। यह भी कि इसके परिणाम 2024 के आम चुनाव की दिशा-दशा तय करेंगे। इस कसौटी पर भाजपा खरी उतरी है। इसे नरेंद्र मोदी की अगले आम चुनाव में दावेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। फिलहाल भाजपा के चुनाव प्रबंधन का तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। यह भी कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्ष 2014 से बदलाव की राजनीति का जो उपक्रम शुरू हुआ था, उसका तिलिस्म अभी बाकी है। खामियों का जिम्मा राज्य सरकार पर और उपलब्धियों का श्रेय केंद्र सरकार के खाते में डालने वाला तंत्र यह मंत्र मतदाताओं को समझाने में कामयाब रहा है। तभी कोरोना संकट की टीस, महंगाई, सत्ता के विरुद्ध उपजे आक्रोश, बेरोजगारी तथा आवारा पशुओं के संकट के बावजूद उ.प्र के मतदाताओं ने भाजपा को फिर सत्ता सौंप दी। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ ध्रुवीकरण का ही सहारा लिया हो, उसने लोक कल्याण कार्यक्रमों, विकास योजनाओं व मोदी की छवि को भी भुनाया है। यह विश्वास जनता को दिलाया है कि नेतृत्व के जरिये सुरक्षा देने का काम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उसके जनाधार में महिलाओं, पिछड़ी जतियों के साथ ही परंपरागत वोट भी थोड़ी-बहुत नाराजगी के साथ जुड़ा रहा है। निस्संदेह, विपक्ष भाजपा के सामने कोई वैचारिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सका। जो मुद्दे थे भी, उन्हें जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाया। ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी का विकल्प बनने के जो प्रयास शुरू हुए थे उनको इससे झटका लग सकता है। भले ही उ.प्र. में सपा गठबंधन की चुनौती को भांपते हुए भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी जनाधार को बचाने के लिये लगा दी हो, लेकिन इस जीत से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी संगठन में मजबूत हुआ है। एक समय मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की बात हो रही थी, वही चेहरा नूरानी होकर निकला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने कई क्षेत्रीय व वंशवादी राजनीतिक दलों के अवसान की भी इबारत लिख दी। उ.प्र. में बसपा का सिमटना और कांग्रेस का हश्र यही कहता है। वहीं पंजाब में अकाली दल के इतिहास में सबसे बड़ी शिकस्त सामने आई है। बहुत संभव है कांग्रेस पार्टी में बाहरी नेतृत्व का प्रश्न एक बार फिर उठे। बहरहाल, चर्चा उ.प्र. में भाजपा की चुनाव इंजीनियरिंग की भी होगी कि गहरे आक्रोश को कम करके भाजपा कैसे सत्ता में लौटी। निस्संदेह, विपक्षी दलों के अस्तित्व के लिये उ.प्र. चुनाव एक अग्नि परीक्षा की तरह ही थे। मगर भाजपा ने उ.प्र. व उत्तराखंड में अपना मत प्रतिशत बढ़ाकर आलोचकों की बोलती बंद कर दी। लेकिन विश्लेषकों को यह सवाल मथ रहा है कि आखिर क्या वजह थी कि बेरोजगारी, महंगाई व व्यवस्था की विसंगतियों से क्षुब्ध होते हुए मतदाता ने मतदान स्थल पर अपना मन बदला।

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

भारत के राजनीतिक भविष्य के लिए बेहद अहम से माने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव उसमें भी खासकर उत्तर प्रदेश ने न केवल यह जतला दिया है कि 2024 में दिल्ली की गद्दी का रास्ता फिर वहीं से निकलेगा बल्कि 37 वर्षों का मिथक भी तोड़ दिया कि एक ही दल दोबारा सत्ता में नहीं आता। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद भाजपा और योगी का उत्तर प्रदेश में दोबारा प्रचण्ड बहुमत लौटना बताता है कि मिथक बस मिथक ही होते हैं जो जनादेश के आगे टूट जाते हैं। नारायण दत्त तिवारी के बाद योगी आदित्यनाथ ही अकेले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कार्यकाल पूरा कर शानदार वापिसी की है। बेशक यह चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए वो ट्रेलर साबित होंगे जिसने पूरी दिखनी वाली फिल्म की कहानी खोल दी है। अब जैसा कि तय दिख रहा है योगी आदित्यनाथ ही लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे जो 37 वर्षों के बाद होगा तथा राज्य के पांचवें मुख्यमंत्री होंगे जो दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी निभाएंगे। इससे पहले सिर्फ चार मुख्यमंत्री 1957 में संपूर्णानंद, 1962 में चंद्रभानु गुप्ता, 1974 में हेमवती नंदन बहुगुणा और 1985 में नारायण दत्त तिवारी ही चुनाव के बाद सत्ता में वापसी कर पाए थे। इसी तरह उत्तराखण्ड में दोबारा सत्ता में न आने का मिथक टूट चुका है। भाजपा की सत्ता में शानदार वापसी बता रही है कि मतदाताओं ने पूरा भरोसा किया है और यहाँ 3-3 मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी वापसी ने मतदाताओं की परिपक्वता और विश्वास का जनादेश ही दिखाया है। शायद काँग्रेस यहाँ भी अपनी अन्दरूनी कलह की वजह से पिछड़ती चली गई। बाँकी 3 राज्यों के नतीजों में पंजाब ने वो इतिहास रचा जो देश की भावी राजनीति का नया विकल्प होने के लिए तेजी से फैलता बरगद साबित हो सकता है। बेशक आम आदमी पार्टी की हैसियत अब क्षेत्रीय दल से बाहर आ रही है जिसको लेकर सभी मानते हैं कि वही काँग्रेस की जगह लेती दिखेगी। बिना लाग लपेट कहें तो 10 सालों में जिस तेजी से आम आदमी पार्टी ने अपना जनाधार तैयार किया है उससे भाजपा के शुरुआती दिनों की याद ताजा हो रही है। गोवा और मणिपुर में भाजपा की प्रभावी बढ़त बताती है कि भाजपा अभी भी अविजित है। अब काँग्रेस कहाँ होगी? कह पाना मुश्किल है 2024 के आम चुनाव से पहले 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसी साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। इनमें मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्य मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा तो मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक 10 राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है जिसके लिए भाजपा अड़ी दिख रही है। यकीनन 2024 का इसे शंखनाद कह सकते हैं। विरोधी दलों को एक बार फिर से सोचने को मजबूर करने वाले 5 राज्यों के नतीजों से एक बात तो तय है कि देश की राजनीतिक छवि काफी बदलने वाली है। भाजपा को अव्वल मानने से किसी को भी गुरेज नहीं है लेकिन जिस तरीके से आप पार्टी ने जहाँ जीतती तो वह किसी सुनामी से कम नहीं होती लाकर आने वाले दिनों में खुद को देश के तमाम राज्यों में विकल्प और मजबूत विपक्ष बनने की ओर अग्रसर कर लिया है। उप्र में दलित कार्ड पर राजनीति का बदलता रंग एक बड़ा संकेत जरूर है। हासिए पर आई बसपा और काँग्रेस में इसकी अगर सबसे ज्यादा कीमत किसी भी दल को चुकानी पड़ेगी तो वह है काँग्रेस। बेशक अगले पौने दो बरस में 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें बसपा कहीं भी लड़ाके की मुद्रा में नहीं है। हाँ, काँग्रेस जरूर है जो अंर्तकलह और रणनीतियों में उलझी होगी। काँग्रेस के लिए यह नतीजे बड़े कुठाराघात से कम नहीं है। काँग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ को छोड़कर उम्मीद की किरण कहीं दिखती नहीं। वहीं आम आदमी पार्टी की पैनी नजर हिमाचल प्रदेश और गुजरात में है। पंजाब में आप की सुनामी से उत्साहित इस पार्टी के हौसले निश्चित रूप से बुलंदियों पर हैं और इसे लेकर जनधारणा, अगले विधानसभा चुनावों में नतीजों में कितनी तब्दील होगी या नहीं इसके लिए तो इंतजार ही करना होगा। हाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य, मुफ्त बिजली और गुड गवर्नेंस को लेकर आम आदमी पार्टी का दिल्ली मॉडल धीरे-धीरे जरूर लोकप्रियता की ओर बढ़ रहा है। आगे यह भाजपा के लिए चुनौती जरूर होगा। पंजाब में आप की सुनामी के आगे तमाम दिग्गजों का धराशायी होना राजनीति की नई इबारत लिखने जैसा है। इसके अलग ही परिणाम दिखेंगे, नशा से लेकर किसान आन्दोलन का असर भी बस पंजाब में ही दिखा। लेकिन उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में ऐसा नहीं रहा। हाँ, देश में भाजपा को एक नई और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बड़े और कड़े निर्णय लेने का रास्ता उत्तर प्रदेश ने जरूर साफ कर दिया है। योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा के रूप में प्रचारित कर खुद विपक्ष ने आगे बढ़ा कर वो हथियार दे दिया जो उन्हें ले डूबा। जाहिर है इन नतीजों को भू-माफियाओं, अपराधियों पर किए गए प्रहारों पर मुहर कही जा सकती है। हाँ, इसको लेकर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भी सोच अब समझ आने लगी है। उन्होंने भी अपराधियों और माफियाओं, सूदखोरों पर हाल ही में जो ताबतोड़ कार्रवाइयाँ की हैं, वह उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हैं। 2023 के आखिर में मप्र में चुनाव हैं। जो तेवर शिवराज के दिख रहे हैं उससे लगता है कि यहाँ भी बच्चों में मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज भी अगर बुलडोजर मामा बन गए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। उत्तर प्रदेश की भाँति मध्यप्रदेश में भी भू, रेत और खनन माफियाओं की बढ़ती आपाराधिक गतिविधियों पर जो प्रहार, बतौर प्रयोग शुरू हुआ था, लगता है कि वह अब बड़े स्तर पर कर वो नया करेंगे जो अब तक नहीं हुआ। मणिपुर और गोवा में भी बढ़त से उत्साहित भाजपा के लिए अब पूरे देश में राजनीतिक रूप से नए फैसलों को लेने के लिए इन नतीजों को हरी झण्डा मान देश में राजनीति की नई तस्वीर जरूर दिखेगी और दिखनी भी चाहिए। बेशक उप्र ने योगी आदित्यनाथ को पहले इस्तेमाल करो फिर विश्वास करो के जुमला से ही सही दोबारा सत्ता में पहुंचाया। लेकिन क्या उनके कड़े फैसले देश में सुशासन की नई इबारत लिखेंगे? वहीं अपने कामों के प्रचार से दिल्ली के बाद पंजाब में भी सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी भी आम लोगों के लिए खास बनकर देश में नया विकल्प बनेगी। हाँ, इतना तो कहा जा सकता है कि भाजपा में सत्ता की धुरी की जोड़ी अब दो नहीं तीन होकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। अब योगी, मोदी और अमित शाह ही वो तिकड़ी होंगे जिन पर न केवल भाजपा बल्कि भावी फैसलों का सारा दारोमदार होगा जो कोरोना से लड़ने के बावजूद तमाम आरोप, प्रचार और दुष्प्रचार से इतर अपने लक्ष्य में कामियाब रहे। भारत के परिपक्व और मजबूत लोकतंत्र के लिए हर चुनाव बेमिशाल ही होते हैं ठीक वैसे यह भी रहा।

आज के कार्टुन

करिये योग

जग्गी वासुदेव

योग इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है, इसके कई कारण हैं। एक बात ये है कि इससे आप अपने बारे में बहुत सी मूल बातें जान जाते हैं। एक बार एक किंडरगार्टन स्कूल में एक शिक्षिका ने बच्चों से पूछा,'मैं अगर अपने सिर के बल खड़ी हो जाऊं तो आप लोग देखेंगे कि मेरा चेहरा लाल हो जाएगा क्योंकि शरीर का खून मेरे सिर में आ जाएगा। पर जब मैं अपने पैरों पर खड़ी होती हूं तो ऐसा नहीं होता, बताओ क्यों'? एक छोटा बच्चा बोला,'क्योंकि पैर खाली नहीं हैं! आप का शरीर एक बैरोमीटर (हवा का दबाव मापने का यंत्र) जैसा है। अगर आप जानते हैं कि इसे कैसे देखना है तो ये आप को आप के बारे में सब कुछ बताएगा। आप अपने बारे में जो कल्पनाएं करते हैं, वह नहीं, आप के बारे में जो सच है वह। आप का मन अत्यंत धोखेबाज है। ये हर दिन आप को आप के बारे में कुछ नया बताता है। अगर आप अपने शरीर को पढ़ना जानते हैं, उसे पहचानते हैं, तो ये आप को वही बताएगा जो है, सच है, एक प्रकार से आप का भूतकाल, वर्तमान और भविष्य। यही कारण है कि मूल रूप से योग शरीर के साथ शुरू होता है। बहुत सी अन्य बातें बदलते फैशन के साथ आती हैं और जाती हैं, लेकिन योग हजारों वर्षो से वैसा ही रहा है और आज भी गति पकड़ रहा है। यद्यपि ये बहुत ही मौलिक ढंग से बताया, सिखाया जाता है और कई बार विकृत रूप से भी, पर ये फिर भी टिका हुआ है। योग ही एक ऐसी व्यवस्था है, जो 15,000 से भी ज्यादा वर्षो से बिना किसी धर्मगुरु के आश्रय या बिना किसी द्वारा बलपूर्वक लागू किए बिना जीवित है, टिकी हुई है। मानवता के इतिहास में ऐसा कहीं भी, कभी भी नहीं हुआ है कि किसी ने किसी के गले पर तलवार रख कर कहा हो, 'तुमको योग करना ही पड़ेगा'। ये इसलिए टिका हुआ है और जीवित है क्योंकि योग खुशहाली लाने की प्रक्रिया की तरह काम करता है, और कुछ भी नहीं। दूसरी बात ये है कि सारी दुनिया में सामान्य रूप से लोग इतने ज्यादा तनावग्रस्त हैं, जैसे पहले कभी नहीं थे। अपनी आंतरिक शांति को संभालने के लिए वे चाहे जो अन्य उपाय करें-डिस्को में जाएं या लंबी ड्राइव पर या फिर पहाड़ों पर चढ़ें, उनसे बस थोड़ा बहुत ही लाभ हुआ है पर समस्या का निदान नहीं मिला है। तो योग की ओर मुड़ना लोगों के लिए स्वाभाविक ही है।

अंधेरा है, पर रोशनी के लिए लड़ने वाले भी कम नहीं

रुनझुन बेगम, उद्यमी समाजसेवी

सन 1947 में खुदमुख्तारी हासिल करने के बाद हिन्दुस्तान ने अपने चप्पे-चप्पे पर कानून का राज तो घोषित कर दिया, मगर इसके समाज में अब भी ऐसे कई अंधेरे कोने हैं, जहां कानून का कोई अमल-दखल नहीं, जहां इंसानियत हर रोज रौंदी जाती है, कांपती-थर्राती है। रुनझुन बेगम हमारे समाज के इन्हीं स्याह कोनों के लिए एक 'लैंपपोस्ट' हैं। कामरूप (असम) जिले के रंगिया कस्बे की रुनझुन एक गरीब परिवार में पैदा हुईं। वह जिस तबके से आती हैं, उसमें लड़कियां तब किशोरावस्था में ही ब्याह दी जाती थीं। लिहाजा, 2007 में मैट्रिक पास करने के बाद रुनझुन भी ब्याह दी गईं। उस वक्त वह सिर्फ 16 साल की थीं। वह आगे और पढ़ना चाहती थीं, मगर बिरादरी के उसूल आड़े आ गए और वाल्दैन भी इस जिम्मेदारी से जल्द फारिग होना चाहते थे। इस नियति को रंगिया जैसे कस्बों की बेटियां ही नहीं जीती हैं, जिसमें जिम्मेदारी 'पूरी' करने के बजाय उससे 'मुक्ति' की भावनाएं पलती हों, यह हमारे कथित शिक्षित परिवारों से जुड़ी विडंबना भी है। उनमें भी बेटी के ब्याह का फर्ज एक 'बोझ' जैसे एहसास तले हमेशा दबा रहता है। रुनझुन का दांपत्य जीवन शुरू-शुरू में ठीक था, क्योंकि वह एक खिदमद गुजार बीवी और बहू का किरदार जो निभाती रहीं। आसपास की तमाम हमउम्र लड़कियों की जिंदगी भी कुछ ऐसी ही थी। शादी के साल भर बाद उनकी गोद में बड़ी बेटी रिया आ गई थी। मां की भूमिका वैसे भी हर मलाल को मिटा देती है, रुनझुन भी बेटी की मुस्कान से दिन भर की अपनी थकन और शिकायतें धोती रहीं। साल 2010 में दूसरी बेटी नूरी की पैदाइश के बाद ससुराल वालों के तेवर बिल्कुल बदल गए। सास-ससुर की तल्ख बातें देखते-देखते गालियों में तब्दील हो गईं, पति ने भी बात-बात पर जलील करना शुरू कर दिया। रुनझुन के पास इन्हें सहने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं था। यही सामाजिक दस्तूर था। सदियों से पोषित संकीर्ण सोच सिर्फ कानून बना देने से बदल जाया करती, तो इतने सारे इदारों की जरूरत भी क्यों पड़ती? याद कीजिए, बालिग बेटियों को आजादी के साथ वोट डालने का हक फौरन मिल गया था, मगर पैतृक संपत्ति में अपने हिस्से का कानूनी अधिकार पाने में उन्हें तब भी कई दशक लग गए। करीब तीन साल तक रुनझुन इस जहालत और जुल्म को झेलती रहीं। मानसिक उत्पीड़न अब शारीरिक प्रताड़ना तक पहुंच चुका था। कई बार रुनझुन के मन में यह गुनहगार सोच उभरी कि खुद को खत्म करके इस तकलीफ से हमेशा के लिए छुटकारा पा लिया जाए, मगर उनका दीन खुदकुशी को हराम बता रहा था, तो कानून अपराध और एक मां का फर्ज अपनी बेटियों के साथ जुल्म। इसलिए रुनझुन का आजिज मन कई बार उस मोड़ तक जाकर लौट आया। तीन साल से भी ज्यादा वक्त इसी तरह गुजर गया। इसके बाद एक और आजमाइश की घड़ी आई। रुनझुन फिर से मां बनने वाली थीं। एक और बेटी के ख्याल से 'चिंतित' घरवाले किसी सूरत इस बच्चे को दुनिया में लाए जाने के रवादार न थे। पति और ससुराल वालों ने रुनझुन को गर्भपात के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें यह कतई गवारा न था। जाहिर है, उन पर होने वाली ज्यादतियों की सूची बढ़ती गई। अब कोई भी दिन ऐसा न बीतता, जब उनके साथ मार-पीट न की जाए। फिर 11 फरवरी, 2013 का वह दिन आया, जब सब्र ने साथ छोड़ दिया और जेहन ने यह पुख्ता एहसास कराया कि वह किसी दिन मारी जा सकती हैं। अब तक बच्चियों की चिंता पांव में बेड़ियां डाले थी, अब तो यह उलझन भी नहीं रही। आखिर कब्र में पहुंचकर वह उनकी क्या मदद कर सकती थीं? पांच माह की गर्भवती रुनझुन के लिए ससुराल से जान बचाकर भाग निकलना ही एकमात्र रास्ता बचा था। महज 30 रुपये पल्लू में थे, और सामने अनजानी दुनिया। बस में सवार रुनझुन को यह तक पता नहीं था कि जाना कहां है? मदद किससे मांगनी है? गुवाहाटी जा रही उस बस में ही एक दंपति को जैसे ऊपर वाले ने फरिश्ता बनाकर भेज दिया था। उनकी मदद से रुनझुन मानवाधिकार आयोग पहुंचीं और वहां उन्होंने घरेलू हिंसा के खिलाफ अपना मुकदमा दायर कराया। वहीं पर उन्हें पबित्रा हजारिका व एलेन महंत मिले। इन दोनों वकीलों ने मुकदमे में रुनझुन की काफी मदद की। 'निर्मल आश्रय' शरणालय में उनके रहने की व्यवस्था कराई। नाजुक समय था। रुनझुन नौ माह की गर्भवती थीं। गुवाहाटी के पाथरक्वारी इलाके में स्थित इस शरणालय के कर्ताधर्ताओं ने न सिर्फ रुनझुन के सुरक्षित प्रसव की पूरी व्यवस्था की, बल्कि उनके नवजात शिशु और उनका पूरा-पूरा ख्याल रखा। रुनझुन को कुदरत ने इस दफा बेटे से नवाजा। उन्होंने उसका नाम निजामुल हुसैन रखा है। प्यार से वह उसे 'लकी' बुलाती हैं। अगले पांच महीनों तक वह निर्मल आश्रय में ही रहीं। इस दौरान उन्होंने सिलाई-बुनाई का प्रशिक्षण लिया। उन्होंने जब अपना काम शुरू किया, तब वह बमुश्किल 20 रुपये रोज का कमा पाती थीं। दूसरों के जूठन खाकर, उतरन पहनकर वह पैसे जोड़ती रहीं। हुनरमंद रुनझुन की आमदनी कुछ ही समय में रोजाना 200 रुपये तक पहुंच गई। साल 2014 में उन्होंने अपनी दुकान खोली-'लकी टेलर।' अपने जैसी कई पीड़िता को उन्होंने खुद से जोड़ा और कुछ ही दिनों में वह पूरे असम, बल्कि राज्य के बाहर से भी ऑर्डर लेने लगीं। अब तो उनकी आय लगभग एक लाख रुपये मासिक तक पहुंच चुकी है। पति से तलाक ले चुकी हैं, मगर दोनों बेटियां उनसे दूर हैं। रुनझुन आज खुद जैसी 15 महिलाओं के परिवार पाल रही हैं। असम सरकार की समाज कल्याण मंत्री ने हाल ही में उन्हें सम्मानित किया है।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2069

	9	5		1			8	7
3			2					
	4			9	6			1
5					2		3	
		6		4		5		
	8		7					6
6			4	7			5	
					9			8
7	1			5		2	6	

सू-दोकू -2068 का हल

4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टार फिल्म-2,1,1
6. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-2
7. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-2
8. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
11. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-2
14. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
15. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-2
16. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
17. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-4,2
22. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
23. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
24. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-2
25. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-2
28. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-2,1,2
30. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1
31. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2069

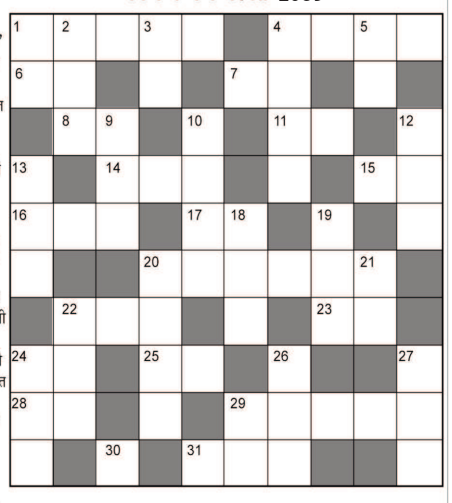

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-2
2. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-3
3. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-2
4. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-4
5. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
9. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-3
10. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-3
13. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-3
18. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-3
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-3
20. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-4
21. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-2
22. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
24. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-3
26. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
27. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
29. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2068

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		रा	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
से	ठी		स		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		रा
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

पत्तियों से सौंदर्य

प्रकृति ने पत्तियों में बहुत सारे गुण प्रदान किये हैं जो सेहत और सौंदर्य के लिए वरदान से कम नहीं। कुछ उदाहरण :-

-नीम की कच्ची कोपलों को पीस कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाने मुंहासे कम होते हैं। यह स्किन के लिए अच्छे फेसवॉश का भी काम करता है। खासकर तैलीय त्वचा के लिए यह बेहतरीन क्लींजर है।

-नींबू की कोमल पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलायें। चेहरे पर फेसपैक को कुछ देर लगाकर रखें। इससे रंग में निखार आता है और ताजगी का अहसास होता है।

-तुलसी की पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बना लें। इसे टेल्कम पाउडर की तरह स्किन पर रगड़ने से चेहरे के दागध ब्बे कम हो जाते हैं।

-आंखों में ताजगी लाने और डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियां पीस कर लगानी चाहिए। ताजा हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की गर्मी निकल जाती है।

-मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें आंवले का रस मिलायें। बालों में अच्छी तरह लगायें और कुछ समय बाद धो डालें। इससे बालों में चमक आती है।

-तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। साफ पानी से धो डालें। इससे ब्लैक स्पॉट मिटते हैं और त्वचा निखरी-निखरी नजर आती है।

-नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों की जड़ों में अच्छे से लगाने से रूसी दूर हो जाती है। इससे सिर में होने वाले दूसरे इंफेक्शन और जुओं से भी छुटकारा मिलता है।

-मेहंदी की हरी या सूखी पत्तियों का पेस्ट बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है।

-मीठे नीम की पत्तियों के रस को छाछ के साथ मिलाकर पीने से बालों को असमय सफेद होना बंद हो जाता है।

पत्तियों से स्वास्थ्य

-तुलसी की कुछ पत्तियां मुंह में रखकर धीरे-धीरे चबाने से दुर्गंध नहीं आती, दांत के दर्द में आराम मिलता है और रक्त भी शुद्ध होता है।

-मधुमेह के रोगियों के लिए पालक की हरी पत्तियों का सेवन बहुत ही लाभकारी होता है।

-अमरूद के पत्तों को पान की तरह कत्था लगाकर चबाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

-पुदीने की कुछ पत्तियां सुबह शाम चबाने से दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं और मुंह में ताजगी बनी रहती है।

-आम की कच्ची कोपलों को दांतों से खूब चबाकर थूक दें। दांत मजबूत और चमकदार बन जायेंगे।

-ब्राह्मी की पत्तियों का थोड़ा-सा ताजा रस (एक चम्मच) लेने से सर्दी-खांसी और उल्टी-दस्त बंद हो जाते हैं।

-नीम की पत्तियों के पेस्ट में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर लगाने से फुंसियां ठीक हो जाती हैं।

-हैजा, पेटदर्द, अजीर्ण, हिचकी बंद न होना, चर्मरोग और ब्लडप्रेशर कंट्रोल जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पुदीना की पत्तियां कारगर दवा है। पुदीना एंटीबायोटिक औषधि का भी काम करती है।

-मेहंदी की पत्तियों का पेस्ट पैरों के तलवों में लगाने से जलन कम होती है, ठंडक और सुकून का अहसास होता है।

-पालक की पत्तियों में मौजूद फ्लेजेवोनॉइडस एंटीऑक्सीडेंट्स का काम करते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पालक में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है जो आंखों, बालों और त्वचा के लिए कफी फायदेमंद होता है।

-बथुए की पत्तियों को उबालकर उनका रस पीने से पेट और पेशाब के रोग ठीक होते हैं।

-पीपल की ताजी हरी पत्तियों का रस कान में टपकाने से कान का दर्द दूर होता है।

-कढ़ी पत्ता (मीठा नीम) के कुछ पत्तियों के रस को नींबू के रस और शक्कर के साथ मिलाकर पीने से अपच, उल्टी और थकान मे आराम मिलता है।

-हरे धनिये की पत्तियां वातनाशक और पाचनशक्ति को

बढ़ाने वाली होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी भिगोकर मसलकर पानी को छान लें।

ब्यूटी टिप्स

होली के रंग निकाले, रूप निखार

युवाओं को होली के रंग-बिरंगे पर्व का खास इंतजार रहता है। क्यों न हो! होली का त्योहार ही कुछ ऐसा है। पर होली के लाल-पीले रंगों से सबसे ज्यादा डर लड़कियों को लगता है कहीं कलर्स से उनकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

बस इसीलिए कभी-कभी मन में उमंग होते हुए भी इस उत्सव का पूरी तरह आनंद नहीं उठाया जाता। होली के रंग कहीं त्वचा व रंग को बर्बाद न कर दे, यही आशंका बनी रहती है। लेकिन घबराइए नहीं, हमारे पास हैं रंगों को छुड़ाने के कुछ आसान से नुस्खे, जो आपके घर में ही उपलब्ध हैं। बस इन्हें इस्तेमाल कीजिए और रंगों को आसानी से छुड़ा लीजिए। तो फिर तैयार हैं न आप होली खेलने के लिए...!

* बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी स्कीन पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।

* खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिला लें। और इसका पेस्ट तैयार कर इससे मुंह धोएं। आपके चेहरे पर लगे सारे रंग के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।

* मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है।

* अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा गहरा रंग लग गया हो तो दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑइल मिलाकर लेप बनाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अब स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। और फिर बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएँ। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा।

* जौ का आटा व बादाम का तेल मिक्स कर लें। उसको त्वचा पर लगाकर रंग को साफ करें।

* दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।

* संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ होकर उसमें निखार आएगा।

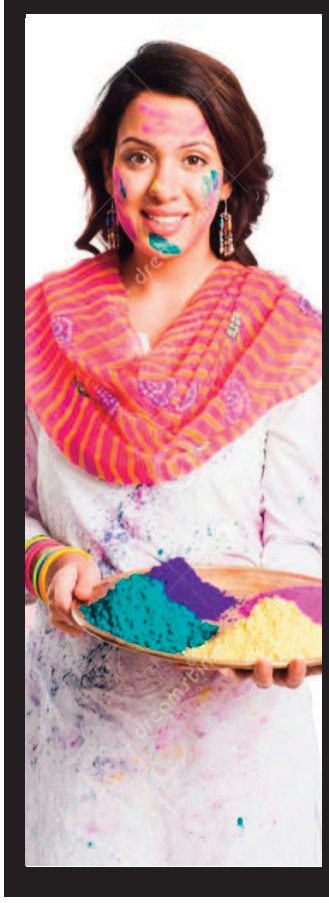

कहीं नुकसान न पहुंचा दे होली के रंग

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है। कैसे खेलें होली, क्या बरतें सावधानी,

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।

आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।

बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।

नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।

घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।

बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।

ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।

होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।

यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।

यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।

यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्राव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्राव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विशेषज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें।

जियो और गूगल का 4जी स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट अब पंजाब में

पंजाब के 5500 से अधिक मोबाइल विक्रेता के यहां उपलब्ध

मुंबई ।

रिलायंस जियो और गूगल ने साथ में रिसर्च कर किफायती 4जी स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट बनाया है जो अब पंजाब भर के 5500 से अधिक मोबाइल विक्रेता के यहां उपलब्ध हो गया है। ये फोन गूगल के नए प्रगति ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है और यह ट्रांसलेशन और रीड अलाउड जैसे खास फीचरस से लैस है। अब पंजाब के 2जी मोबाइल ग्राहक भी इस सस्ते 4जी मोबाइल से जियो की हाई स्पीड तथा विश्वसनीय 4जी सेवाएं इस्तेमाल कर सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट मात्र 1999 रुपए की डाउनपेमेंट देकर ईएमआई पर खरीदा जा सकता है और बची हुई रकम का पेमेंट 18 से 24 महीने की 300 से 600 रुपए मात्र की ईएमआई में किया जा सकता है। अच्छी बात ये है कि फोन की ईएमआई में ही कॉलिंग और डेटा की कीमत शामिल होगी। इस फोन को मात्र 6499 रुपए में बिना फाइनेंसिंग के भी खरीदा जा सकता है। जियो फोन नेक्स्ट 7000 रुपए के नीचे के सेगमेंट में सबसे अच्छा विकल्प है। इस फोन में कई ऐसे बेहतरीन फीचर्स हैं जो इसको अलग बनाते हैं। जियोफोन नेक्स्ट के कैमरा में ही इनबिल्ट स्नैपचैट और ट्रांसलेशन का फीचर है। ट्रांसलेशन फीचर के जरिए किसी भी भाषा के टेक्स्ट का फोटो खींचकर उसका ट्रांसलेशन अपनी भाषा में कर सकते हैं और उसे सुन भी सकते हैं। साथ ही आप फोन के कैमरा में ऊपर देख सकते हैं कि स्टोरेज के हिसाब से कितने फोटो खींच सकते हैं या कितनी देर की वीडियो रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में 5000 से ज्यादा फोटो स्टोर किए जा सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में आप लाइव ट्रांसक्राईब एप का उपयोग कर आसानी से अपनी भाषा में टाइप कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लास के लिए अगर आप फोन बच्चों को देते हैं तो इसमें पेरेंटल कंट्रोल का विकल्प भी है।

जियोफोन नेक्स्ट में स्क्रीन रिकॉर्डिंग के लिए नोटिफिकेशन पैनल में बटन है इससे आप स्क्रीन पर जो भी चल रहा है उसकी रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। साथ ही एक टच में ही स्क्रीन शॉट ले सकते हैं।

आईआईएफसीएल को अगले वित्त वर्ष 50,000 करोड़ के ऋण आवंटन की उम्मीद

मुंबई ।

इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) का कहना है कि उसे अगले वित्त वर्ष 50,000 करोड़ रुपए ऋण आवंटन की उम्मीद है। कंपनी का मानना है कि पूंजीगत व्यय में फिर तेजी आने और ढांचागत क्षेत्र में निवेश का सिलसिला बढऩे के साथ उसका ऋण आवंटन भी बढ़ेगा। पिछले सप्ताह कंपनी ने बाजार से 1,500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बांड जारी किए थे। मंजूर ऋणों के लिए रकम आवंटित करने के लिए सरकार नियंत्रित यह वित्तीय कंपनी 3,000 करोड़ रुपए तक जुटाना चाह रही है। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पीआर जयशंकर ने बताया कि ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाएं कुछ ऐसी होती हैं कि मंजूरी ऋण के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल दूसरे वर्ष से शुरू होता है और यह सिलसिला तीसरे और चौथे वर्ष तक जारी रहता है। हमने जितने ऋण आवेदन मंजूरी किए हैं उनके लिए एक बड़े हिस्से का आवंटन अब शुरू होगा। आईआईएफसीएल का बहीखाता 2020 में थोड़ा सुस्त रहा था मगर मंजूर ऋण और मंजूर ऋण सुविधा का आकार अब बढ़कर 2.12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इनमें 30 प्रतिशत ऋण पिछले दो वर्षों के दौरान मंजूर हुए हैं। जयशंकर ने कहा कि कंपनी 2023 के ओ खिर तक मंजूर ऋण का आकार बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपए तक करना चाहती है। ऋण का आकार बढ़कर 37,688 करोड़ रुपए रहा था। रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार मार्च 2020 में यह बढ़कर 33,637 करोड़ रुपए और मार्च 2021 में यह और बढ़कर 36,647 करोड़ रुपए हो गया था।

प्रौद्योगिकी विकास के लिए नियामकीय ढांचा बदलने की जरूरत: दूरसंचार मंत्री

नई दिल्ली ।

सरकार प्रौद्योगिकी के विकास के लिए नियामकीय ढांचे में आमूलचूल बदलाव की तैयारी कर रही है। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बात कही। वैष्णव ने हाल ही में टीडीसैट की संगोष्ठी के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हम उद्योग के साथ एक भागीदार के रूप में बातचीत करना चाहते हैं। किसी विरोधी की तरह नहीं। अगली बड़ी चीज हम यही करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक अधिक कुछ नहीं किया गया है। हमें प्रौद्योगिकी के विकास के लिए काम करते रहने की जरूरत है। अधिक से अधिक स्टार्टअप जोड़ने की जरूरत है क्योंकि यह ऐसा बाजार है जहां भविष्य के उद्यमी बनेंगे।वैष्णव ने कहा कि जब 2जी और 3जी की बात थी, तो हम पिछड़ गए थे। हम 4जी को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन 5जी और 6जी के मामले में हमें आगे रहना होगा। ऐसा नहीं होता है, तो यह कहने का क्या लाभ होगा कि हम ऐसे राष्ट्र में रहते हैं जो प्रतिभाओं का देश है। एक प्रतिभाली देश को इस तरह से सोचना चाहिए।

तरह नहीं। उन्होंने कहा कि प्रणाली में सभी उलझे हुए हैं और कुछ ऐसे लोग जिनके नैतिक मूल्य मजबूत नहीं हैं, उन्होंने पूर्व में पूरे दूरसंचार क्षेत्र को बदनाम किया है। वैष्णव ने कहा कि क्या हमारे पास पूरी डिजिटल दुनिया के लिए एक नियामक हो सकता है। ऐसी चीजें हो रही हैं। हमें कानूनी ढांचे, नियामकीय क्रियान्वयन ढांचे और हमारे सरकारी निकायों की सोच, लोगों के प्रशिक्षण सभी में आमूलचूल बदलाव लाने की जरूरत है। उद्योग के साथ बातचीत भागीदार के रूप में होनी चाहिए, किसी विरोधी की तरह नहीं। अगली

एक अप्रैल से पुराने वाहनों का दोबारा रजिस्ट्रेशन होगा महंगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली को छोड़कर पूरे देश में एक अप्रैल से 15 साल से पुराने वाहनों का दोबारा रजिस्ट्रेशन महंगा होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक दशक से अधिक पुराने वाहनों के पंजीकरण के नवीनीकरण की लागत अगले महीने से आठ गुना अधिक हो जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार सभी 15 साल पुरानी कारों के पंजीकरण को नवीनीकृत करने की लागत 600 रुपए की मौजूदा दर की तुलना में 5,000 रुपए होगी। दोपहिया वाहन के लिए ग्राहक को 300 रुपए के बजाय 1,000 रुपए का भुगतान करना होगा। जबकि आयातित कारों के लिए लागत 15,000 रुपए के बजाय 40,000 रुपए हो जाएगी। इसके अलावा निजी वाहनों के पुनर्पंजीकरण में देरी से हर महीने अतिरिक्त 3000 रुपए खर्च होंगे। व्यावसायिक वाहनों के लिए हर महीने 500 रुपए का जुर्माना होगा। नए नियमों के मुताबिक 15 साल से पुराने हर निजी वाहन को हर पांच साल में नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। हालांकि, इस नियम में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को छूट है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि शहर में पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों को क्रमशः 15 और 10 वर्षों के बाद अपंजीकृत माना जाता है। इसके अलावा पुराने ट्रांसपोर्ट और व्यावसायिक वाहनों के

फिटनेस टेस्ट का खर्च भी अप्रैल से बढ़ जाएगा। परिवहन मंत्रालय द्वारा संशोधित दरों के अनुसार, फिटनेस परीक्षण की लागत 1 अप्रैल से टैक्सियों के लिए 1,000 रुपए के बजाय 7,000 रुपए होगी। यह बसों और ट्रकों के लिए 1,500 रुपए के बजाय 12,500 रुपए होगी। इसके अलावा आठ साल से पुराने व्यावसायिक वाहनों के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्टैंडर्ड चार्टर्ड जीबीएस के लिए बड़ा परिसर चेन्नई में बनाएगी डीएलएफ

चेन्नई । रियल्टी क्षेत्र की कंपनी डीएलएफ ने कहा कि वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड ग्लोबल बिजनेस सर्विसेस के 10 लाख वर्गफुट क्षेत्र में कार्यालय परिसर के निर्माण करेगी जिसके लिए वह लगभग 550 करोड़ रुपए का निवेश करेगी जो इस कंपनी का दुनिया में सबसे बड़ा परिसर होगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई के तारामणि में डीएलएफ डाउनटाउन परियोजना में कार्यालय के परिसर की आधारशिला रखी। डीएलएफ रेंटल बिजनेस के प्रबंध निदेशक श्रीराम खट्टर ने कहा कि हम स्टैंडर्ड चार्टर्ड जीबीएस के लिए दस लाख वर्गफुट में इमारत का निर्माण कर रहे हैं जिसकी कुल निर्माण लागत करीब 550 करोड़ रुपए होगी। डीएलएफ डाउनटाउन-चेन्नई परियोजना 27 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली है जो 68 लाख वर्गफुट इलाका है। इसे डीएलएफ साइबर सिटी डेवलपर्स लिमिटेड 5,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित कर रही है।

फरवरी में थोक महंगाई दर बढ़कर 13.11 फीसदी हुई

मुंबई । फरवरी महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 13.11 फीसदी पर पहुंच गई जो जनवरी महीने में 12.96 फीसदी थी। फरवरी 2021 में थोक महंगाई दर महज 4.83 फीसदी थी। बढ़ती महंगाई सरकार, इकोनॉमी और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अगले महीने रिजर्व बैंक मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक होने वाली है। उससे पहले 16 मार्च को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दर को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। महंगाई में तेजी से रिजर्व बैंक पर पॉलिसी में बदलाव का दबाव बढ़ेगा। जनवरी महीने में थोक महंगाई दर 12.96 फीसदी थी और दिसंबर 2021 में यह 13.56 फीसदी थी। नवंबर में यह महंगाई 14.23 फीसदी थी। यह लगातार 11वां महीना है जब थोक महंगाई दर डबल डिजिट में रही है। जनवरी महीने में खुदरा महंगाई दर 6.01 फीसदी रही थी जो रिजर्व बैंक के छह फीसदी के अपर लिमिट के पार थी। यह सात महीने का उच्चतम स्तर था। दिसंबर में खुदरा महंगाई 5.59 फीसदी रही थी। यह पांच महीने का उच्चतम स्तर था। नवंबर में खुदरा महंगाई 4.91 फीसदी, अक्टूबर में 4.48 फीसदी रही थी। एक साल पहले दिसंबर 2020 में खुदरा महंगाई दर 4.59 फीसदी रही थी।

बिटकॉइन सार्वजनिक उच्च स्तर से 30 फीसदी सस्ता

मुंबई । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत एक फीसदी की गिरावट के देखी जा रही है। वहीं इथेरियम की कीमत में भी गिरावट देखने को मिल रही है। जबकि डॉगकोइन, टेरा, कार्डानो के दाम में तेजी का महौल बना हुआ है। गौरतलब है कि यूक्रेन-रूस संघर्ष की वजह से क्रिप्टोकरेंसी के दाम गिरावट देखने को मिली है। बिटकॉइन की कीमत सोमवार को 39,000 डॉलर के स्तर से नीचे रही क्योंकि डिजिटल टोकन एक फीसदी कम होकर 38,605 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोक्यूरेंसी 2022 में अब तक लगभग 18 फीसदी नीचे है। यह पिछले साल नवंबर में अपने 69,000 डॉलर के रिकॉर्ड हाई से लगभग 30 फीसदी दूर है। इस बीच ग्लोबल क्रिप्टोक्यूरेंसी बाजार पूंजीकरण 1.8 ट्रिलियन डॉलर पर है। बीते 24 घंटे में एक फीसदी से ज्यादा कम हुआ है। दूसरी ओर इथेरियम क्रिप्टोकरेंसी भी 0.6 फीसदी गिरकर 2,570 डॉलर हो गई। बीते 24 घंटे में एक फीसदी से ज्यादा कम हुआ है। दूसरी ओर इथेरियम क्रिप्टोकरेंसी भी 0.6 फीसदी गिरकर 2,570 डॉलर हो गई। हालांकि, डॉगकोइन की कीमत मामूली रूप से बढ़कर 0.11 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 0.000022 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। अन्य डिजिटल टोकन का प्रदर्शन भी मिलाजुला था। एवालांशे, पॉलीगॉन, लिटकोइन, एवालांशे, पॉलीगॉन, लिटकोइन, स्टेलर, एक्सआरपी, यूनिस्वैप, सोलाना, पॉलीगॉन, पोलकाडॉट गिरावट के साथ के साथ कारोबार कर रहे थे। हालांकि, टेरा, कार्डानो पिछले 24 घंटों में इजाफा देखने को मिला है।

देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी बनी महानदी कोलफील्ड्स

संबलपुर । कोल इंडिया लिमिटेड की इकाई महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 15.7 करोड़ टन से अधिक कोयला उत्पादन करके देश की अग्रणी कोयला उत्पादक कंपनी बन गई है। कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि 12 मार्च 2022 को कंपनी ने 7.62 लाख टन सूखे ईंधन का उत्पादन किया, जो चालू वित्त वर्ष के दौरान एक दिन में सबसे अधिक है। इस वर्ष कोयला उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15.77 करोड़ टन तक पहुंच गया है। एमसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ओपी सिंह ने कंपनी को देश की अग्रणी कोयला उत्पादन कंपनी बनाने में योगदान देने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा हितधारकों को बधाई दी। एमसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ओपी सिंह ने कंपनी को देश की अग्रणी कोयला उत्पादन कंपनी बनाने में योगदान देने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने में एमसीएल को बड़ी भूमिका निभानी है।

रूस से मैकडॉनल्ड बाहर, बर्गर की कीमत 25000 तक पहुंची

नई दिल्ली ।

यूक्रेन पर रूस के हमले और प्रतिबंधों के जवाब में दर्जनों अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी कंपनियां या तो रूस छोड़ चुकी हैं या फिर छोड़ने की तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस छोड़ने वाली कंपनियों की संख्या 60 के आसपास है और इसमें आगे और इजाफा होने की संभावना है। इन कंपनियों में अमेरिकी कंपनी मैकडॉनल्ड का नाम भी शामिल है। मैकडॉनल्ड ने ऐलान किया है कि वह रूस में अपने सभी 847 आउटलेट बंद करने जा रही है। इस घोषणा के बाद रूस में मैकडी आउटलेट्स के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। इतना ही नहीं रूस में मैकडी बर्गर ऑनलाइन 26000 रुपए में बिकने लगे हैं। लोगों ने अपने रेफ्रिजरेटर्स में मैकडी के आइटम्स स्टॉक कर लिए हैं। कुछ ने ऐसा खुद के खाने के लिए किया है, वहीं कुछ ने मौके को भुनाने की जुगत में ऐसा किया है। वे बाद में इसे मोटी कीमत पर बेच सकेंगे। ऐसा किया जाना शुरू भी हो चुका है। रूसी साइट पर मैकडी बर्गर्स और अन्य आइटम्स की सेल शुरू हो चुकी है। रूस में मैकडी के सबसे ज्यादा बिकने वाले बर्गर और ब्रेकफास्ट कॉम्बो पर अच्छी खासी कीमत में बिक्री के लिए डाले जा चुके हैं। एक बिग मैक बर्गर की बिक्री 4,000 रूबल्स एक बिग मैक बर्गर की बिक्री 4,000 रूबल्स (लगभग 2,300 रुपये) में हो रही है। द इंडिपेंडेंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक बिग मैक मील को लगभग 24942 रुपये में बेचा जा रहा है।मैकडी ने कहा है कि वह रूस में अपने आउटलेट फिर से कब खोलेगी, इसके बारे में भी कुछ कहा नहीं जा सकता। रूस में मैकडी आउटलेट्स में लगभग 62000 लोग काम करते हैं। कंपनी का कहना है कि वह अपने ऑपरेशन बंद करने के बावजूद इन लोगों को वेतन देती रहेगी।

चाय-कॉफी और मैगी के शौकीनों को झटका, कंपनी ने बढ़ाई कीमतें

बिजनेस डेस्क।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अपने कई प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ा दिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने ब्रू कॉफी पाउडर के दाम में 3-7 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। ब्रू गोल्ड कॉफी जार की कीमत में 3-4 फीसदी तक की तेजी आई है। ब्रू इंस्टैंट कॉफी पाउच की कीमत में 3-6.6 फीसदी की तेजी आई है। ताजमहल चाय की कीमत में 3.7-5.8 फीसदी तक की तेजी आई है। ब्रूक बॉन्ड 3 की कीमत में 1.5 फीसदी से 14 फीसदी तक की तेजी आई है। कीमत में बढ़ोतरी को लेकर कंपनी की तरफ से कहा गया कि महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद कंपनी ने कंज्यूमर्स को ध्यान में रखते हुए कीमत में बढ़ोतरी की है। फरवरी महीने में हिंदुस्तान यूनिलीवर ने दो बार कीमत में बढ़ोतरी की थी। डिटर्जेंट पाउडर और साबुन के दाम फरवरी में दो बार बढ़ी थी और इसकी कीमत में 9 फीसदी तक का उछाल आया था। ने फरवरी में लाइफबॉय, लक्स और पीयर्स साबुन के अलावा सर्फ एक्सेल मैटिक, कम्फर्ट फैब्रिक कंडीशनर, डव बॉडी वॉश जैसे ब्रांडों की स्टॉक कीपिंग यूनिट्स की कीमतों में और बढ़ोतरी की थी। ब्रोकरेज एडलवाइस सिक्योरिटीज ने कहा था एचयूएल के होम और पर्सनल केयर कैटिगरी के दाम में 1-9 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई थी।

मैगी की कीमतें 9 से 16 फीसदी तक बढ़ी

वहीं दूसरी तरफ नेस्ले इंडिया ने ऐलान किया कि उसने मैगी की कीमतें 9 से 16 फीसदी तक बढ़ा दी है। नेस्ले इंडिया ने मिल्क और कॉफी पाउडर की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। कीमतें बढ़ाने के बाद अब 70 ग्राम मैगी के एक पैकेट के लिए 12 रुपए के बजाय 14 रुपए चुकाना होगा। वहीं 140 ग्राम वाले मैगी मसाला नूडल्स की कीमत 3 रुपए यानी 12.5त बढ़ गई है। जबकि अब मैगी के 560 ग्राम वाले पैक के लिए 96 रुपए के बजाय 105 रुपए चुकाना होगा। इस हिसाब से इसका दाम 9.4त बढ़ा है।

मिल्क पाउडर भी हुआ मंहगा

नेस्ले ने एक लीटर वाले+ मिल्क की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। पहले इसके लिए 75 रुपए चुकाने पड़ते थे जबकि अब 78 रुपए देने होंगे। नेस्कैफे क्लासिक कॉफी पाउडर के दाम 3-7त तक बढ़ गए हैं। वहीं 25 ग्राम वाले नेस्कैफे का पैक अब 2.5त महंगा हो गया है। इसके लिए 78 रुपए के बजाय अब 80 रुपए चुकाना होगा। इसके साथ ही 50 ग्राम वाले नेस्कैफे क्लासिक के लिए 145 रुपए के बजाय 150 रुपए चुकाना होगा।

सूक्ष्म-वित्त ऋणदाता ग्राहकों से 'ऊंचा' ब्याज नहीं वसूल सकते: रिजर्व बैंक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि सूक्ष्म-वित्त ऋणदाता संस्थान ग्राहकों से ऊंचा ब्याज नहीं वसूल सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कर्जों से जुड़े शुल्कों की एक सीमा भी तय करने को कहा गया है। एक सूक्ष्म-वित्त ऋण का आशय तीन लाख रुपये तक की सालाना आय वाले परिवार को दिए जाने वाले गारंटी-मुक्त कर्ज से है । रिजर्व बैंक ने सूक्ष्म-वित्त ऋणों के संबंध में अपने नए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी नियमित इकाइयों को निदेशक-मंडल की अनुमति वाली एक नीति लागू करनी चाहिए। इस नीति में सूक्ष्म-वित्त ऋणों की कीमत, कवर, ब्याज दरों की अधिकतम सीमा और सभी अन्य शुल्कों के बारे में स्पष्टता लाने की जरूरत है। सूक्ष्म-वित्त ऋण दिशानिर्देश संबंधी इस प्रारूप के मुताबिक, ''इन कर्जों पर ब्याज दरें एवं अन्य शुल्क बहुत ऊंचे नहीं रखे जाने चाहिए। ये शुल्क एवं दरें रिजर्व बैंक की निगरानी के दायरे में होंगी।'' इसके साथ ही प्रत्येक नियमित इकाई को एक संभावित कर्जदार के बारे में कीमत-संबंधी जानकारी एक मानकीकृत सरल 'फैक्टशीट' के रूप में देनी होगी। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि कर्जदार अगर अपने कर्ज को समय से पहले चुकाना चाहता है तो उस पर किसी तरह की जुर्माना नहीं लगाया जाए। हालांकि, अगर किस्त के भुगतान में देरी होती है, तो सूक्ष्म-वित्त संस्थान ग्राहक पर जुर्माना लगा सकते हैं लेकिन वह भी बकाया राशि पर ही लगाया जाएगा, समूची कर्ज राशि पर नहीं। रिजर्व बैंक ने कहा कि किसी सूक्ष्म-वित्त कर्ज की अदायगी के संदर्भ में कर्जदार की मासिक आय की अधिकतम 50 प्रतिशत राशि ही पुनर्भुगतान की सीमा बनाई जा सकती है।

फरवरी में निर्यात 25.1प्रतिशत बढ़कर 34.57 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा 20.88 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली।

इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम और रसायनों जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश का निर्यात फरवरी में 25.1 प्रतिशत बढ़कर 34.57 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, हालांकि माह के दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 20.88 अरब डॉलर पहुंच गया। आलोच्य महीने में आयात 36 प्रतिशत बढ़कर 55.45 अरब डॉलर रहा, जिसमें पेट्रोलियम और कच्चे तेल का आयात 69 प्रतिशत बढ़कर 15.28 अरब डॉलर हो गया। फरवरी 2021 में व्यापार घाटा 13.12 अरब डॉलर था। मंत्रालय के अनुसार, कुल मिलाकर निर्यात चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अप्रैल से फरवरी माह के दौरान 46.09 प्रतिशत बढ़कर 374.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 256.55 अरब डॉलर था। आलोच्य अवधि में आयात 59.33 प्रतिशत बढ़कर 550.56 अरब डॉलर रहा। वहीं व्यापार घाटा 175.75 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 88.99 अरब डॉलर था।

पुतिन के फैसले से मर्सिडीज की 16,000 करोड़ की संपत्ति पर खतरा

मुंबई । रूस-यूक्रेन जंग से जर्मन कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज की 2 बिलियन यूरो (करीब 16,000 करोड़ रुपए) से ज्यादा की संपत्ति खतरे में पड़ गई है। कंपनी ने कहा है कि विदेशी कंपनियों के देश छोड़ने की स्थिति में पुतिन सरकार का उनकी संपत्ति का राष्ट्रीयकरण करने का प्रस्ताव एक बड़ा झटका है। मर्सिडीज-बेंज कई वैश्विक ऑटो निर्माताओं में से एक है, जिनके पास रूस में अपने प्रोडक्शन प्लांट हैं, जिन्होंने यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बीच देश के साथ वाहनों के आयात और निर्यात को रोक दिया है। मर्सिडीज-बेंज की प्रतिक्रिया पर रूस की सत्ताधारी पार्टी यूनाइटेड रशिया ने कहा है कि एक सरकारी आयोग ने अमित्र देशों की स्वामित्व वाली 25 प्रतिशत से अधिक फर्मों की संपत्ति के राष्ट्रीयकरण की दिशा में पहले कदम को मंजूरी दी थी। पिछले हफ्ते मर्सिडीज-बेंज रूस को निर्यात रोकने वाली अन्य विदेशी कार निर्माताओं में शामिल हो गई थी। कार निर्माता ने कहा था, मर्सिडीज-बेंज अगले नोटिस तक रूस के साथ-साथ रूस में स्थानीय विनिर्माण के लिए यात्री कारों और वैन के निर्यात को निलंबित कर देगी। रूस के साथ-साथ रूस में स्थानीय विनिर्माण के लिए यात्री कारों और वैन के निर्यात को निलंबित कर देगी। अन्य कार निर्माता जैसे होंडा, टोयोटा, फॉक्सवैगन, जनरल मोटर्स, जगुआर लैंड रोवर, फोर्ड और बीएमडब्ल्यू ने न केवल अपने ऑप्रेशन को निलंबित कर दिया, बल्कि अपने वाहनों को देश में निर्यात भी किया। मर्सिडीज-बेंज की मॉस्को के पास एसिपोवो में एक मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट है, जहां वह ई-क्लास सेडान और एसयूवी का प्रोडक्शन करती है। इस प्लांट में लगभग 1,000 कर्मचारी हैं। इस सुविधा का उद्घाटन अप्रैल, 2019 में हुआ था।

रणजी में झारखंड ने 880 रन बनाकर रिकार्ड बनाया

कोलकाता । झारखंड के बल्लेबाजों ने नागालैंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्री-क्वार्टर फाइनल में 880 रन की सबसे बड़ी पारी खेलकर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। यह टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे बड़ी पारी है। मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से झारखंड ने प्लेट ग्रुप टॉपर नागालैंड के खिलाफ 5 दिवसीय मुकाबले में तीसरे दिन 800 रनों से अधिक बनाये। इस दौरान विकेटकीपर कुमार कुशाग्र ने दोहरा शतक लगाने के साथ ही 266 रन बनाये । जबकि विराट सिंह ने 107 रन और स्पिनर शाहबाज नदीम ने 177 रन की पारी खेलते हुए अपना दूसरा प्रथम श्रेणी शतक लगाया। झारखंड की टीम ने इस प्रकार 880 रन बनाये। जबकि विराट सिंह ने 107 रन और स्पिनर शाहबाज नदीम ने 177 रन की पारी खेलते हुए अपना दूसरा प्रथम श्रेणी शतक लगाया। झारखंड की टीम ने इस प्रकार 880 रन बनाये। रणजी में कुल 800 से अधिक के स्कोर का यह सातवां उदाहरण था और ईडन गार्डन्स में सबसे बड़ा स्कोर था।

आईसीसी

महिला विश्वकप : बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर पहली जीत दर्ज की

हैमिल्टन ।

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को नौ रनों से हराकर आईसीसी महिला एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में पहली जीत हासिल की है। बांग्लादेशी टीम की इस जीत में उसके बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के साथ ही गेंदबाजों की भी अहम भूमिका रही। फाहिमा खातून ने 38 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट कर पाक बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा दिया। इसके अलावा अन्य गेंदबाजों ने भी लगातार विकेट लिए। इस मैच में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट पर 225 रनों ही बना पायी। पाक की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 104 रनों की शतकीय पारी खेली पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पायीं। जीत के लिए मिले लक्ष्य लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी रही। सिदरा ने पहले विकेट के लिये नाहिदा खान के साथ 91 रन बनाये। इन दोनो के बीच 91 रन की भागीदारी हुई। वहीं इसके बाद सिदरा ने बिस्माह मरूफ 31 रन के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े। सिदरा की शानदार बल्लेबाजी से पाक टीम योजना के अनुसार तय लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी। टीम ने दो विकेट पर ही 183 रन बना लिए पर इसके बाद बांग्लादेश की गेंदबाज फाहिमा खातून ने तीन विकेट लेकर मैच का रुख ही पलट दिया। पाक टीम ने केवल पांच रनों के अंदर ही अपने पांच बल्लेबाज खो दिए। इस कारण पूरी टीम नौ विकेट पर 225 रन ही बना सकी। फाहिमा ने ओमेमा सोहेल को एक जबकि आलिया रियाज , फातिमा सना को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया जबकि रूमाना अहमद ने निदा डार को विकेट लिया। निदा भी शून्य पर ही आउट हुईं। सिदरा के रन आउट होने से पाक की बची हुई उम्मीद भी टूट गयी। इसी के साथ ही पहली बार विश्वकप खेल रही बांग्लादेशी टीम को पहली जीत मिली है। इससे पहले उसे दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं दूसरी ओर पाक टीम अपने चौथे मैच में ही हार के कारण अंक तालिका में सबसे निचले क्रम पर आ गयी है। पाकिस्तान को अपने चौथे मैच में चौथी हार का सामना करना पड़ा है। यह पाक की महिला विश्व कप में लगातार 18वीं हार है। वहीं इससे पहले पाक ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। बांग्लादेश ने फरगना होक की 71 रन की पारी के साथ ही शर्मिन अख्तर 44 और कप्तान निगार फरगना ने तीसरे विकेट के लिए सुल्ताना के साथ 96 रन की साझेदारी कर बांग्लादेश को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। सलामी बल्लेबाज शमिमा सुल्ताना और शर्मिन अख्तर ने बांग्लादेश को अच्छी शुरूआत दिलायी पर पाक की निदा को आउट कर बांग्लादेश को पहला झटका दिया।

टी20 विश्व कप से पहले अहम रहेगी दक्षिण अफ्रीका सीरीज

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम जून में अपनी ही धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं। टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है । भारतीय टीम को जून में आयरलैंड का भी दौरा करेगीहै। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

सिंगापुर के युवा खिलाड़ी टिम से मुंबई को रहेंगी उम्मीदें

दुबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 सत्र सत्र में सिंगापुर के युवा खिलाड़ी टिम डेविड से मुंबई इंडियंस को काफी उम्मीदें रहेंगी। टिम को मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 8.25 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन के अनुसार बड़ी राशि मिलने से टीम की भी आपसे अपेक्षाएं बढ़ जाती है जिससे खिलाड़ी पर दबाव आता ही है। साथ ही कहा कि यह तब तक नहीं है जब तक आप खेल में हैं। यह तब भी रहता है जब आप मैदान से बाहर रहते हैं। इसलिए खिलाड़ी को हमेशा बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक रुप से भी तैयार रखना होता है। यह तभी संभव होता है जब आप दबाव को झेलते हैं और उससे कैसे बाहर निकलते हैं उसका विचार करते हैं। मैंने ऐसे कई खिलाड़ी देखे हैं जिन्हें यह उम्मीद थी और वे इसके तहत आगे बढ़े। बेन स्टोक्स और जोफा आर्चर उस तरह के खिलाड़ी हैं जिनपर दबाव का प्रभाव नहीं पड़ा। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी है जिनका खेल दबाव के कारण बेकार हो गया। सिंगापुर के टिम बीबीएल में खेलते हैं। उन्हें पहली बार आईपीएल में खेलने का मौका मिला है और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलेंगे। इसलिए वहां दबाव होगा। विश्व स्तर के शीर्ष खिलाड़ियों के होने के कारण आईपीएल में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिली है।

लवलीना और निकहत ने एशियाई खेलों के लिये प्रवेश हासिल किया

नई दिल्ली ।

महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन ने एशियाई खेलों के लिये भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम में जगह बनायी हैं। लवलीना ने चयन ट्रायल फाइनल्स जीता जबकि जरीन ने ट्रायल्स के बाद 51 किग्रा वजन वर्ग जबकि बोरगोहेन ने 69 किग्रा से अपना स्थान बनाया। दोनों ने विश्व चैम्पियनशिप के लिये भी टीम में जगह बनायी थी पर जरीन ने पिछले सप्ताह हुए ट्रायल्स में 52 किग्रा वर्ग के लिये क्वालीफाई किया था जबकि बोरेगोहेन ने 70 किग्रा से जगह बनायी। एशियाई खेलों के ट्रायल फाइनल्स में लवलीना ने रेलवे की मुक्केबाज पूजा को हराया जबकि जरीन ने 2019 विश्व चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता मंजू रानी को पराजित किया। विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल्स पिछले सप्ताह कराये गये थे। गौरतलब है कि एशियाई खेलों के लिये तीन वर्गों 57 किग्रा, 60 किग्रा और 75 किग्रा के लिये भी चयन की पुष्टि की गयी। एशियाई खेलों में पांच महिला वर्ग होंगे। मनीषा ने 57 किग्रा ट्रायल मुकाबले में जीत दर्ज कर दोनों टूर्नामेंट के लिये जगह पक्की की जबकि जैसमीन ने 60 किग्रा और अनुभवी स्वीटी बूरा ने 75 किग्रा से प्रवेश किया। गौरतलब है कि विश्व चैम्पियनशिप छह मई से इस्तांबुल में शुरू होगी जो बोरगोहेन के लिये एक तरह से वापसी टूर्नामेंट होगी क्योंकि टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद वह किसी प्रतियोगिता में नहीं खेली हैं।

एशियाई खेलों के लिये भारतीय महिला टीम इस प्रकार है:

निकहत जरीन (51 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा), जैसमीन (60 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) और स्वीटी बूरा (75 किग्रा)।

संक्षिप्त समाचार

अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 8वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

बेंगलूर । टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। दिन-रात्रि के इस टेस्ट मैच के तीसरे दिन अश्विन ने श्रीलंकाई बल्लेबाज धनंजय डिसिल्वा का विकेट लेते ही दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया। अब अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 8वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन के नाम अब 440 टेस्ट विकेट हो गये हैं। वहीं स्टेन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 439 विकेट हैं। इससे पहले अश्विन ने महान ऑलराउंडर कपिल देव का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। अश्विन ने अबतक अपने करियर की 62 पारियों में 440 विकेट लिए हैं। इस गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 30 बार एक पारी में 5 विकेट लिए हैं जबकि 7 बार एक मैच में 10 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के नाम हैं। मुरली ने 133 मैचों में 800 विकेट लिए हैं जबकि शेन वार्न ने 145 मैचों में 708 विकेट लिए है। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 169 मैच में 640 विकेट लेकर तीसरे जबकि भारत के अनिल कुंबले 132 मैच में 619 विकेट लेकर चौथे स्थान पर हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम में नहीं हुआ बदलाव

ब्रिजटाउन । क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 16 मार्च से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। यह मैच केंसिंग्टन ओवल में 16 से 20 मार्च तक खेला जाएगा। पहले टेस्ट मैच के ड्रॉ रहने के बाद तीन मैचों की सीरीज बराबरी पर है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता डॉ. डेसमंड हेन्स ने कहा है कि एंटीगुआ में यह पहला मुकाबला कठिन था जिसमें टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। उसको देखते हुए हमने बारबाडोस में दूसरे मैच के लिए उन्हीं 13 खिलाड़ियों को शामिल किया है। बोनर ने जिस प्रकार पहले मैच में खेला उसको देखते हुए उन्हें भी टीम में बरकरार रखा है। इसके अलावा टीम के गेंदबाजों ने भी पूरी क्षमता से खेला है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम इस प्रकार है। क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड (विकेटकीपर), नक्रमाह बोनर, शमरह ब्रूक्स, जॉन कैंपबेल, जोशुआ डा सिल्वा, जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर्स, वीरासामी पर्मौल, एंडरसन फिलिप, केमार रोच, जेडन सील्स ।

डु प्लेसिस के कप्तान बनने पर हैरानी नहीं हुई : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि फाफ डु प्लेसिस के रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान बनने से वह हैरान नहीं हैं। डु प्लेसिस को आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में आरसीबी ने 7 करोड़ रुपए में खरीदा था। गावस्कर ने कहा कि कप्तानी अनुभव का भार, नेतृत्व की गुणवत्ता का भार जो आप डु प्लेसिस में देखते हैं। उससे मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का कप्तान रहते हुए डु प्लेसिस ने जिस प्रकार से टीम को आगे बढ़ाया है। वह देखने वाली बात है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट में एक समय ऐसा भी आया जब थोड़ी उथल-पुथल मची हुई थी। तबहवह टीम को एक साथ लाने और दक्षिण अफ्रीका को शीर्ष पर पहुंचाने में सफल रहे। आरसीबी द्वारा फाफ को कप्तानी सौंपने का फैसला काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि एबी डिविलियर्स के संन्यास के बाद अब डु प्लेसिस बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करना चाहते हैं, रास्ता दिखाना चाहते हैं। आरसीबी के लिए यह रोमांचक समय है। डु प्लेसिस के कप्तान बनने पर हैरानी नहीं हुई गावस्कर मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि फाफ डु प्लेसिस के रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान बनने से वह हैरान नहीं हैं। डु प्लेसिस को आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में आरसीबी ने 7 करोड़ रुपए में खरीदा था। गावस्कर ने कहा कि कप्तानी अनुभव का भार, नेतृत्व की गुणवत्ता का भार जो आप डु प्लेसिस में देखते हैं। उससे मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का कप्तान रहते हुए डु प्लेसिस ने जिस प्रकार से टीम को आगे बढ़ाया है। वह देखने वाली बात है।

धोनी की तरह है मेरी कप्तानी का तरीका :डुप्लेसी

बेंगलुरू ।

विराट कोहली की जगह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान बनाये गये दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी को आईपीएल के 15 वें सत्र में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। टीम की कप्तानी के लिए तैयार डुप्लेसी के अनुसार उनके नेतृत्व का तरीका भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह ही है। डुप्लेसी भी आरसीबी में आने से पहले धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल रहे हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, 'मैं भाग्यशाली हूं कि मैं क्रिकेट में अपनी यात्रा में कुछ शानदार कप्तानों के साथ खेला। मैं दक्षिण अफ्रीका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ कप्तान ग्रीम स्मिथ के साथ खेलते हुए बड़ा हुआ। उन्होंने कहा, 'इसके बाद 10 साल धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मैं रहा। डुप्लेसी ने कहा, 'मुझे लगता है कि धोनी और मेरी कप्तानी के तरीके में काफी समानता है क्योंकि हम दोनों ही बहुत शांत व्यक्तित्व वाले हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैंने चेन्नई के साथ शुरूआत की थी तो दक्षिण अफ्रीका में कप्तानी संस्कृति को देखते हुए मुझे धोनी पूरी तरह से अलग लगे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे फिर पता चला कि कप्तानी के अलग तरीके हो सकते हैं पर अपना तरीका होना अहम है क्योंकि जब दबाव आता है तो खुद का तरीका ही काम आता है। इसलिए मैं विराट कोहली की कप्तानी की शैली नहीं अपना सकता की शैली नहीं अपना सकता क्योंकि मैं विराट कोहली नहीं हूं।

मैं धोनी की तरह की कप्तानी की कोशिश भी नहीं कर सकता। डुप्लेसी ने कहा, 'लेकिन मैंने कुछ चीजें सीखी हैं जिससे मेरी कप्तानी की शैली में मदद मिली। मैं इस यात्रा के लिए आभारी। आरसीबी को आईपीएल में अपना पहला मुकाबला मुंबई में पंजाब किंग्स से खेलना है।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी का बड़ा बयान, विराट अब पहले जैसे बल्लेबाज नहीं रहे

स्पोर्ट्स डेस्क । विराट कोहली के बल्ले से फैंस शतक का इंतजार कर रहे हैं। विराट कोहली को शतक लगाए हुए दो साल से भी ज्यादा का समय हो गया है। विराट कोहली के बल्ले से रन तो निकल रहे हैं पर वह बड़ी पारी में तब्दील करने में नाकाम हो रहे हैं। बेंगलुरु में चल रहे टेस्ट मैच में फैंस को विराट कोहली के बल्ले से शतक की उम्मीद थी। पर फिर एक बार वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। विराट के इस फॉर्म पर पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने बयान दिया है। वसीम जाफर ने विराट की बल्लेबाजी पर कहा कि भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर के कुछ बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश नहीं हूं। वहीं विराट की फॉर्म भी काफी चिंताजनक है। क्योंकि वह बड़ी पारियों में तब्दील नहीं कर पा रहे हैं। मैं समझ सकता हूं कि बेंगलुरु की पिच वैसी नहीं है जहां पर आपको बड़े शतक देखने को मिले। जाफर ने आगे कहा कि विराट कोहली अब वैसे खिलाड़ी नहीं रह गए हैं जो पहले थे। कई बार विराट अनलकी भी रहे। पर फैंस को उनसे 71वें शतक की उम्मीद बनी रहती है। मैं समझ सकता हूं कि बेंगलुरु की पिच वैसी नहीं है जहां पर आपको बड़े शतक देखने को मिले। जाफर ने आगे कहा कि विराट कोहली अब वैसे खिलाड़ी नहीं रह गए हैं जो पहले थे। कई बार विराट अनलकी भी रहे। पर फैंस को उनसे 71वें शतक की उम्मीद बनी रहती है। पर जब आपका करियर इतना बड़ा होता है तब आपके ऐसे उतार चढ़ाव देखने को मिलते रहते हैं। गौर हो कि डे-नाईट टेस्ट मैच में विराट कोहली के बल्ले से कुछ खास रन नहीं बने। विराट कोहली के बल्ले से श्रीलंका खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 23 और दूसरी पारी में 13 रन बनाए। विराट कोहली के बल्ले से श्रीलंका खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 23 और दूसरी पारी में 13 रन बनाए। दोनों ही बार गेंद नीचे रहने के कारण विराट कोहली आउट हो गए।

निर्धारित समय में मैच खत्म करने की जरूरत, शूट-आउट में नहीं : शॉपमैन

भुवनेश्वर । भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यांके शॉपमैन ने सोमवार को कहा कि टीम को शूट-आउट तक जाने के बजाय मैच निर्धारित समय में ही खत्म करने चाहिए लेकिन वह मौजूदा एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों में अपनी खिलाड़ियों द्वारा बनाए गए गोल करने के मौकों से काफी खुश थीं। प्रो लीग में हाल में भारत के जर्मनी के खिलाफ दोनों मैच शूट-आउट तक पहुंचे जिसमें घरेलू टीम ने पहला मैच गंवा दिया जबकि वापसी करते हुए रविवार को यहां दूसरे मैच में जीत हासिल की। भारत को पहले मैच में शूट आउट में 1-2 से हार मिली थी जबकि दूसरे में उसने 3-0 से जीत हासिल की । शॉपमैन ने भारत की दूसरे मैच में जीत के बाद कहा कि शनिवार के मैच में हमने अच्छी शुरूआत नहीं की लेकिन अगले मैच में हमारी शुरूआत अच्छी थी। मुझे लगता है कि हमने काफी मौके बनो। सिर्फ एक चीज कहनी है कि हमें निर्धारित समय में ही जीतना चाहिए, शूट-आउट में नहीं। नौ टीम की लीग की तालिका में भारतीय टीम छह मैचों में 12 अंक से दूसरे स्थान पर काबिज है और शॉपमैन चाहती हैं कि उनकी खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग में आगे के प्रत्येक मैच में सुधार करती रहें। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान सुधार करने और प्रत्येक मैच में बेहतर करने पर है जो मुझे लगता है कि हम कर रहे हैं। मैं प्रदर्शन से काफी खुश हूं लेकिन सीखने के लिए काफी कुछ है। भारतीय महिला टीम की अगली प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड है जिसके खिलाफ मैच दो और तीन अप्रैल को यहां कलिंगा स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ख्वाजा , कैरी की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर , 505/8

कराची ।

ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 505 रन बना लिए थे। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया की ओर से उस्मान ख्वाजा के शतक 160 रनों के बाद निचले क्रम के बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए 93 रन बनाये और पाक गेंदबाजों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। कैरी को पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम ने अपना शिकार बनाया। कैरी और मिशेल स्टार्क ने धीमे विकेट पर 98 रन की साझेदारी बनाकर मेजबान गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। वहीं स्टार्क ने भी 28 रन बनाकर कैरी का अच्छा साथ दिया। वहीं इससे पहले बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने 160 रनों की पारी खेली थी। मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एशिया में 14 साल में एक टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा ओवर तक बल्लेबाजी का रिकार्ड बनाया है। इससे पहले साल 2008 में उसने दिल्ली में भारत के खिलाफ 179.3 ओवर तक बल्लेबाजी की थी और पूरी टीम ने 577 रन बनाए थे। कैरी और स्टार्क ने अपनी साझेदारी के दौरान पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा। मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एशिया में 14 साल में एक टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा ओवर तक बल्लेबाजी का रिकार्ड बनाया है। इससे पहले साल 2008 में उसने दिल्ली में भारत के खिलाफ 179.3 ओवर तक बल्लेबाजी की थी और पूरी टीम ने 577 रन बनाए थे। कैरी और स्टार्क ने अपनी साझेदारी के दौरान पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा। इससे पहले सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम के ख्वाजा ने 127 रन से पारी आगे बढ़ायी पर 160 रन बनाकर वह आउट हो गये । वहीं पाक की ओर से ऑफ स्पिनर साजिद खान ने 151 रन देकर दो विकेट लिए जिसमें ख्वाजा का विकेट भी शामिल था। पाक ने दूसरे सत्र में तीन विकेट लिए जिसमें साजिद ने दो जबकि बाएं हाथ के स्पिनर नौमान अली ने 115 रन देकर एक विकेट लिया।

कैमरून ग्रीन 28 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले पाक के लिये सुबह का सत्र निराशाजनक रहा, जिसमें उसे एकमात्र विकेट नाथन लियोन 38 का मिला। कैमरून ग्रीन 28 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले पाक के लिये सुबह का सत्र निराशाजनक रहा, जिसमें उसे एकमात्र विकेट नाथन लियोन 38 का मिला। पिच सपाट पिच होने के कारण पाक गेंदबाज विकेट के लिए संघर्ष करते रहे।

पंजाब में जीत के बाद आप ने सूरत में आयोजित की विजय तिरंगा यात्रा, गुजरात प्रशासन द्वारा यात्रा पर प्रतिबंध, सैंकड़ो की गिरफ्तारी

सूरत ।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत के उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी ने नगर अध्यक्ष महेंद्रभाई नावडीया और नगर पालिका के विपक्ष के नेता धर्मेशभाई भंडेरी के नेतृत्व में एक भव्य रैली का आयोजन किया। जिसके लिए कार्यकर्ता उधना के कार्यालय में जमा हो गए थे। आप के शहर अध्यक्ष महेंद्र नावडीया सहित कार्यकर्ताओं को पुलिस ने उधना के कार्यालय पहुंचते ही हिरासत में ले लिया।तिरंगा यात्रा शुरू होने से ठीक पहले पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया।

विजय तिरंगा यात्रा पुलिस ने नहीं दी अनुमति

इस प्रकार आम आदमी पार्टी गुजरात के सभी जिलों में "विजय तिरंगा यात्रा" चला रही है। तिरंगा यात्रा को आज सूरत शहर के लिम्बायत इलाके से रवाना करने की योजना थी। उसकी पुलिस से अनुमति भी मांगी गई थी लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते ट्राफिक के बहाने अनुमति रद्द कर दी गई थी। इसका आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया।

इस तरह आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता योगेश जादवाणी ने कहा कि सत्ता के क्रॉस फायर में फंसे राजनीतिक नेता गलत तरीके से पुलिस को आगे करके कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रहे हैं. एक लोकतंत्र में, सभी को अपने तरीके से जीत का जश्न मनाने और एक राजनीतिक दल के शासकों का विरोध करने की भी अनुमति है। लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं को पुलिस को मजबूर कर राजनीतिक उत्पीड़न के आरोप में हिरासत में लिया जा रहा है और कार्यक्रम ना करने के लिए काफी दबाव डाला जा रहा है।

हमारी आज की तिरंगा यात्रा के रद्द होने के पीछे का कारण भी बहुत ही हास्यास्पद है। भारी ट्रैफिक के कारण यात्रा रद्द कर दी गई। जिससे पता चलता है कि कोई विशेष कारण नहीं है, आज जिस तरह से हमारी पार्टी शहर भर में आगे बढ़ रही है, उसे दबाने के लिए केवल भारतीय जनता पार्टी की चाल है

सूरत भूमि, सूरत।

उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी ने अपनी दावेदारी पेश की जिसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जाता है। प्रदेश की जनता ने उनके किए गए कार्यों को सराहा और उन्हें एक बार फिर उत्तर प्रदेश की सेवा करने का मौका प्रदान किया। इस उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी युवा नेता एवं अटल हिंदू फाउंडेशन युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज राय जी ने माननीय मुख्यमंत्री आदित्यनाथ जी से मुलाकात की और ढेर सारी शुभकामनाएं दी की उत्तर प्रदेश का विकास दिन दुना रात चौगुना हो। मुख्यमंत्रीजी ने भी धीरज राय जी को शुभकामनाएं दी और कहा यह जीत सिर्फ मेरी अकेले की नहीं आप सब की है।

'आप' छोड़ भाजपा में शामिल हुए महिला पार्षद मनीषा कुकडिया की घर वापसी

सूरत ।

कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) को छोड़ भाजपा का भगवा धारण करनेवाली सूरत की महिला नगर पार्षद मनीषा कुकडिया ने घर वापसी कर ली है। गुजरात प्रदेश आप के प्रभारी गुलाबसिंह यादव, प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया, प्रदेश संगठन महासचिव मनोज सोरठिया की उपस्थिति में मनीषा कुकडिया ने फिर एक बार आप का दामन थाम लिया। बता दें कि कुछ समय पहले सूरत में आप के पांच नगर पार्षदों ने भाजपा भगवा धारण कर लिया था। जिसमें विपुल मोवलिया, मनीषा कुकडिया, ऋचा दुधागरा, भावना सोलंकी और ज्योतिका लाठिया शामिल है। बाद में और एक पार्षद कुंदन कोठिया ने भी भाजपा जॉइन कर ली थी। गुजरात में केवल सूरत नगर निगम में 27 सीटें जीतकर आप ने कांग्रेस से विपक्ष का पद छीन लिया था। हांलाकि बाद में गांधीनगर नगर निगम चुनाव में आप को कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली और उसके बाद आप टूटने का सिलसिला शुरू हो गया। एक के बाद एक कई नेताओं ने आप से किनारा कर लिया। सूरत के उद्योगपति और समाज सेवक महेश सवाणी ने भी पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बाद में 6 नगर पार्षदों ने आप छोड़ भाजपा जॉइन कर ली। पंजाब में आप की शानदार सफलता से गुजरात आप के कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं। पंजाब में आप की सफलता हो या अन्य किसी कारण से भाजपा जॉइन करनेवाली सूरत की महिला नगर पार्षद मनीषा कुकडिया ने आज घर वापसी कर ली है। इस मौके पर गुलाबसिंह ने कहा कि पंजाब में आप की शानदार जीत का जश्न मनाया जा रहा है, जिससे भाजपा के भीतर एक डर का माहौल है। इसी डर की

वजह से भाजपा गुजरात में छह महीने पहले ही विधानसभा चुनाव कराने की फिराक में है। क्योंकि अगले छह महीने में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा कई नए काम किए जाएंगे। जिसका डर भाजपा को सता रहा है और इस वजह से गुजरात में छह महीने पहले ही चुनाव का ऐलान किया जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। गुलाबसिंह दावा किया है कि इस बार गुजरात में भाजपा और आप के बीच सीधा मुकाबला होगा।

कांग्रेस विधायक अनिल जोशियारा का निधन, चेन्नई के अस्पताल में उपचाराधीन थे

अहमदाबाद।

कांग्रेस विधायक और गुजरात के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनिल जोशियारा का 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उत्तरी गुजरात की भिलोडा सीट से कांग्रेस विधायक अनिल जोशियारा को दो महीने पहले कोरोना हो गया था, जिसके बाद पहले अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में वेन्टीलेटर पर थे। लेकिन फेफड़ों के काम नहीं करने से अनिल जोशियारा को एयर एम्ब्युलैंस के जरिए चेन्नई के अस्पताल पहुंचाया गया। चेन्नई के अस्पताल में जोशियारा के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ, बल्कि मल्टी ओर्गन फैल होने से आज उनका निधन हो गया। जानकारी के मुताबिक डॉ. अनिल जोशियारा का मंगलवार को भिलोडा तहसील में अंतिम संस्कार किया जाएगा। डॉ. जोशियारा के निधन से उनके समर्थक और परिजनों में शोक व्याप्त है। उत्तरी गुजरात में आदिवासी क्षेत्र के भिलोडा से विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले अनिल जोशियारा का जन्म 24 अप्रैल 1953 को भिलोडा तहसील के चुनाखण गांव में हुआ था। उन्होंने 1979 में एम.बी. बी.एस. और 1983 में एम.एस. की डिग्री गुजरात यूनिवर्सिटी से प्राप्त की थी। डॉ. जोशियारा ने भिलोडा सिविल अस्पताल में बतौर अधीक्षक और सर्जन 6 वर्ष तक सेवा की थी। हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में 3 वर्ष और भरुच सिविल अस्पताल में 1989 से 1992 तक बतौर चिकित्सक सेवा प्रदान करनेवाले अनिल जोशियारा मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य भी रह चुके हैं। वर्ष 1995 में राजनीतिक कैरियर शुरू करनेवाले डॉ. अनिल जोशियारा भिलोडा से चुने जाने के बाद गुजरात सरकार में वर्ष 1995 से 1997 तक स्वास्थ्य मंत्री रहे। वर्ष 1998 में हुए विधानसभा के

चुनाव में जोशियारा भाजपा उम्मीदवार उपेन्द्र त्रिवेदी के खिलाफ चुनाव हार गए। 1998 से 2002 तक गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति में बतौर सचिव पदभार संभाला। वर्ष 2002, 2007, 2012 और 2017 तक विधानसभा चुनाव में लगातार चार दफा जीत दर्ज करने वाले डॉ. जोशियारा भिलोडा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

लैंक्सेस ने वित्त वर्ष 2021 में अपनी बिक्री एवं कमाई में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

मुंबई। लैंक्सेस ने वित्तह वर्ष 2021 का सफल समापन किया। ऊर्जा, कच्चे माल और माल ढुलाई की लागत में काफी बढ़ोतरी के बावजूद, विशेष रसायन कंपनी ने अपनी बिक्री और कमाई में उल्लेखनीय सुधार किया।

समूह की बिक्री 2021 में 7.557 बिलियन यूरो रही और इसमें पिछले वर्ष के 6.104 बिलियन यूरो की तुलना में 23.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। ईबीआइटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व अर्जन) 17.2 प्रतिशत बढ़कर 1.010 बिलियन यूरो हो गया, जो एक साल पहले 862 मिलियन यूरो था। इस तरह कमाई (अनिग्सो) 1 बिलियन यूरो से 1.05 बिलियन यूरो की निर्देशित सीमा में रही। समूह के सभी वर्गों में अच्छेस परिणाम मुख्यि रूप से ग्राहक उद्योगों, जैसे कि ऑटोमोटिव, निर्माण, परिवहन और विनिर्माण उद्योग से मिली मजबूत माँग से संचालित हुए। हम अभी उठा रहे हैं।"

218 मिलियन यूरो के साथ, परिचालन से होने वाली शुद्ध आय में पिछले साल के 908 मिलियन यूरो की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली। 2020 में, केमिकल पार्क परिचालक करेंटा में हिस्सेदारी की बिक्री से उच्च् असाधारण रकम जनरेट हुई।

जैखर्ट लागत में और वृद्धि होने के बावजूद वर्तमान वित्त वर्ष 2022 को लेकर काफी आशावादी हैं। "हमें उम्मी द है कि 2022 की पहली छमाही में ऊर्जा एवं कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहेगी। वैश्विक सप्ला ई चेन्स भी कमजोर बनी रहेंगी। फिर भी, हम इस वित्त। वर्ष में कमाई में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का अनुमान लगाते हैं।" हालांकि, यूक्रेन में चल रहे युद्ध का असर क्या होगा यह अभी भी अज्ञात है। लैंक्सेपस ने 2022 की पहली तिमाही में कमाई में उछाल आने का अनुमान लगाया है और ईबीआइटीडीए का आँकड़ा 280 मिलियन यूरो से 320 मिलियन यूरो के बीच रहने की संभावना है। (पूर्व वर्ष में यह 242 मिलियन यूरो थी।)

IDT ने GKFW के माध्यम से शांति का सन्देश दिया

सूरत। 13 मार्च को रेनबो क्लब सूरत में, इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी ने अपना वार्षिक किड्स फैशन शो - GKFW'2022 - आगामी समर/स्प्रिंग फॉल कलेक्शन 2023 प्रदर्शित किया। इस रोमांचकारी फैशन शो ने एक सीक्वेंस के माध्यम से यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने का आग्रह किया एवं शांति और प्रेम का संदेश फैलाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

आईडीटी के युवा और महत्वाकांक्षी फैशन डिजाइन छात्रों ने उपदेशक - सुश्री पूजा घीवाला, सुश्री आरुषि उप्रेती, सुश्री साक्षी पहाड़िया, सुश्री रिद्धि काचीवाला और श्री इम्तियाज टेलर की सलाह के तहत जीवंत और करुणामय रचनाएं बनाईं, जिसे पहनकर 3-14 वर्ष की आयु के लगभग 150 बच्चों ने एक उत्कृष्ट शैली में रैंप वॉक कर के रनवे को चकाचौंध कर दिया । शो में फ्रेंचाइजी केंद्रों - वापी और राजकोट की थीम भी शामिल थी।

इन बच्चों का चयन सूरत के विभिन्न स्कूलों (जैसे - विद्या भारती, लार्ड कृष्णा , केएस ठक्कर, केसीजी अडाजण, और ड्रीम हाई पर्वत पाटिया) और सोसाइटी में ऑडिशन का आयोजन कर के किया गया । सुश्री संगीता चोकसी, सुश्री सुगंधा अग्रवाल, और श्री नीलेश जोशी तकनीकी विशेषज्ञ थे जिन्होंनेप्रक्रिया के दौरान संपूर्ण संग्रह की जूरी की ।

ग्रैंड फिनाले में गतिशील टीम के संपूर्ण संग्रह और प्रयासों की सराहना करने वाले मुख्य जूरी सदस्यों में सुश्री चंद्रकला सनप (फैशन निदेशक, फेमिना), सुश्री संगीता चोकसी (डिजाइनर), और श्री पूजा व्यास (लाइफस्टाइल कोच), सुश्री अंकिता वालंद (इन्फ्लुएंसर) और सुश्री सृस्टि तनवानी (सीईओ, इंडो एरा) शामिल थे। पधारो म्हारे देश, इंडियन गॉडेस इन मॉडर्न डे, बर्ड ऑफ पैराडाइज, बिटमोजी गेम, इत्यादि श्रमसाध्य संकलन ग्रैंड फिनाले के 14+ रचनात्मक कृतियों में से थे।

प्राइमेक्स, खुशी, आदिकवि, एराइज एसेंशियल्स, कोको हाई, रेस्कुए रूम , डी. खुशालभाई ज्वैलर्स, रोडमास्टर, प्राइड ऑफ काउज एंड फैशनोवा के साथ-साथ टेक्सटाइल सेंटर की प्रसिद्ध उद्योग कंपनियां - एम्मीरोब और एथलीमा ने व्यवसायों को जोड़ने के लक्ष्य के साथ आईडीटी GKFW का मुख्य रूप से समर्थन किया। फैशन शो को ग्लैम लुक देने के लिए, IDT को VLCC टीम से मेक-अप और स्टाइलिंग पार्टनर के रूप में समर्थन मिला, और CAT-WALK के लिए, शहर के प्रमुख फैशन कोरियोग्राफर, श्री राहुल जैन, ने कठोर प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को तैयार करने में सहायता की।.

अबीरा इवेंट्स के श्री करण और सुश्री पावनी ने पूरे शो को मैनेज किया और श्री तुलसी मूवीज के फोटोग्राफरों की एक पेशेवर टीम ने शुरू से लेकर निष्पादन तक का सहयोग किया ।

केएन एग्री रिसोर्सेज लिमिटेड वित्त वर्ष 2021-22 में एनएसई इमर्ज पर सबसे बड़ा एसएमई आईपीओ लेकर आया

सुरत ।

वर्ष 1987 में स्थापित केएन एग्री रिसोर्सेज एकीकृत, वैश्विक कृषि व्यवसाय वाली खाद्य कंपनी है, जो खेत से उपभोक्ता (फॉर्म टू फोर्क) खाद्य श्रृंखला के क्षेत्र में काम करती है। इसमें कृषि जिंसों, खाद्य तेल और खाद्य उत्पादों का खरीद, भंडारण, प्रसंस्क रण और पैकेजिंग शामिल है। कंपनी के एकीकृत कारोबारी मॉडल को तीन बड़े सीड प्रॉसेसिंग यूनिट, दो तेल रिफाइनरी और एक आटा मिल के साथ समर्थन प्राप्त है, जो मध्य प्रदेश में रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर स्थित है।

केएन एग्री के ग्राहकों में कृषि जिंसों के डीलर्स, कारोबारी घराने, निर्यात केंद्र और अदाणी विल्मर लिमिटेड, कारगिल इंडिया, बुंगे इंडिया और रुचि सोया जैसी एफएमसीजी कंपनियां शामिल हैं। केएन एग्री प्रसंस्कृत और विनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें सोया डी-ऑयल्ड केक (सोया मील), हिप्रो सोया मील, सोया रिफाइंड तेल, सोया कच्चा तेल, डिगम्ड तेल, सोया लेसिथीन, एसिड तेल, सोया हस्क, बिनौले का तेल, सफेद सरसों का रिफाइंड तेल और सरसों के बीज का डिऑयल्ड केक शामिल है। कंपनी मक्का, चना, दाल, चीनी, सोयाबीन और गेहूं समेत कई कृषि जिसों में कारोबार करती है।

कंपनी की मौजूदा क्षमता 375,000 टीपीए सॉल्वेंट (विलायक द्रव्य), 60000 टीपीए खाद्य तेल रिफाइनिंग और 24000 टीपीए आटा पीसने की है। कंपनी भारत के 15 राज्यों में अपने उत्पादों की मार्केटिंग करती है और इसके राजस्व का मुख्य हिस्सा मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से आता है। कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कंपनी बुक बिल्डिंग विकल्प के जरिए प्रत्येक 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले 65,84,000 इक्विटी शेयरों को जारी कर रही है और इसके लिए 71-75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। उच्चतम प्राइस बैंड पर कंपनी को 49.38 करोड़ रुपये की पूंजी मिलने की संभावना है। निवेशकों को सब्सक्रिप्शन के लिए न्यूनतम 1600 शेयरों और इसके गुणक में आवेदन करना होगा। इस निर्गम का सब्सक्रिप्शन 15 मार्च 2022 को खुलेगा और 17 मार्च 2022 को बंद होगा।

शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे।

मार्केट मेकर हिस्से के अलावा केएन एग्री ने कुल निर्गम का 50% हिस्सा क्यूआईबी, 15त्न एचएनआई और 35% खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किया है। इस आइपीओ का प्रबंधन हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड के जरिए किया जा रहा है और इसका रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है। 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए साल के दौरान कंपनी को 1301.19 करोड़ रुपये के राजस्व पर 26.19 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। 30 सितंबर 2021 को समाप्त हुई पहली छिमाही के दौरान कंपनी को 594.68 करोड़ रुपये के राजस्व पर 16.84 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।

हार्पिक ने उपभोक्ता की जरूरतों के अनुसार फॉर्म्यूलेशन में किया बदलाव

लैवेटरी केयर कैटेगरी में अग्रणी ब्रांड हार्पिक ने बेहतर फॉर्म्यूलेशन के साथ अपने असली नीले रंग में बदलाव लाकर इसे गाढ़ा और बेहतर बना दिया है। च्यूर हार्पिक टॉयलेट सीट पर एक समान रूप से गाढ़ी लेयर प्रदान करता है, जिससे यह पहले से बेहतर तरीके से टॉयलेट सीट की सफाई करता है। रेकिट इंडिया ने बाजार में मिल रही अन्य नीली बोतलों से अलग उत्पाद की प्रामाणिकता को प्रदर्शित करने के लिए सभी नए हार्पिक पैक के साथ अपनी तरह की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से युक्त एन्क्रिप्शन तकनीक लॉन्च की है। चुनिंदा हार्पिक पैक पर नई पैकेजिंग के अतिरिक्त, ग्राहक एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड को स्कैन कर स्वयं ही उत्पाद की मैन्युफैक्चरिंग और ऑरिजिन को सत्यापित कर सकेंगे

इस नई घोषणा पर, सौरभ जैन, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, साउथ एशिया - हाइजीन, रेकिट ने कहा, "v00 वर्षों से अधिक की मजबूत विरासत के साथ, हार्पिक, नए सॉल्यूशन पेश कर एक बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह प्रोडक्ट लोगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करता है। नया हार्पिक फॉर्म्यूलेशन पहले की तुलना में 20% अधिक चिपचिपा है, जिससे ग्राहक अपने टॉयलेट को स्वच्छ, रोगाणु मुक्त और चमकदार बनाने के लिए आसानी से टॉयलेट सीट पर फैला/कोट कर सकते हैं। हम अपने पैक्स में एआई एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड तकनीक लाने वाले भारत के पहले टॉयलेट क्लीनिंग ब्रांड हैं। यह तकनीक उपभोक्ताओं को प्रोडक्ट की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में मदद करेगी। इसके साथ ही ग्राहकों को शौचालयों को साफ और स्वच्छ रखने के टिप्स और तरीके सीखने में भी मदद मिलेगी।"

डॉ. स्कंद सक्सेना, आर एंड डी निदेशक, दक्षिण एशिया - हाइजीन, रेकिट ने कहा, "प्रोडक्ट में लगातार सुधार करना और हार्पिक को एक बेहतर और पसंदीदा ब्रांड बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को एक ऐसे बेहतर प्रोडक्ट फॉर्म्युलेशन की जरूरत है जो उन्हें शानदार ग्राहक अनुभव प्रदान कर सकें। हार्पिक का नया गाढ़ा फॉर्म्यूलेशन उत्पाद को दाग-धब्बों को साफ करने की पहले से अधिक ताकत देता है, जिसके परिणामस्वरूप यह लिक्विड लंबे समय तक टॉयलेट सीट में चिपक जाता है और अधिक अधिक समय तक सीट पर टिके रहता है और बेहतरी सफाई देता है। बेहतर फॉर्म्युलेशन के साथ, हार्पिक उपभोक्ताओं को शौचालय की बेहतर सफाई का अनुभव प्रदान करता है।"

क्यूआर कोड को स्कैन करने पर, उपभोक्ताओं को हार्पिक बोतल की तस्वीर शेयर करने के लिए एक दूसरे पेज पर रीडायरेक्ट किया जाएगा, जिसके बाद स्क्रीन पर एक वैरिफाइड टिक फ्लैश दिखाई देगा। यह टिक पैक की प्रामाणिकता की पुष्टि करेगा। नया गाढ़ा हार्पिक टॉयलेट क्लीनर 200 एमएल, 500 एमएल और 1 लीटर पैक में उपलब्ध है, जिसकी कीमत क्रमशः 40 रुपये, 93 रुपये और 195 रुपये है। क्यूआर कोड-इनेबल्ड चुनिंदा पैक अब भारत के सभी बाजारों में ऑफलाइन और ऑनलाइन स्टोर पर उपलब्ध हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)